mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-170 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
21 जून 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

शशि थरूर ने किया पीएम मोदी का समर्थन, भाजपा बोली- राहुल गांधी एक्सपोज हो गए

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल् ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान भारतीय नाविकों की सुरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करने के बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जहां कांग्रेस ने पीएम मोदी पर इस संवेदनशील मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया था, वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक और निजी दोनों चर्चाओं में भारत की चिंताओं को मजबूती से रखा है।

ट्रंप को कराया भारत की चिंताओं से अवगत

शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि पीएम मोदी ने मौजूदा संघर्षों के बीच नागरिक नाविकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को भारत की चिंताओं से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि युद्धकाल में वाणिज्यिक नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने ट्रंप से क्या कहा शशि थरूर ने बताया

शशि थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के साथ सार्वजनिक और निजी दोनों बैठकों में अपना रुख स्पष्ट कर दिया। यह संदेश देना महत्वपूर्ण है कि युद्धकाल में वाणिज्यिक जहाजों पर तैनात नागरिक नाविकों को युद्ध का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। वे सैनिक नहीं हैं, और यही संदेश प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है।

ईरान के साथ शांति समझौते पर रिपब्लिकन पार्टी में दरार, ट्रंप समर्थकों ने भी खोला मोर्चा

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ हुए समझौते को आलोचकों द्वारा कमजोर और आत्मसमर्पण करार दिए जाने के बाद चौतरफा घिरे राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात से साफ इनकार किया कि वह तेहरान के सामने झुक गए हैं या उसे भारी वित्तीय राहत सौंपने जा रहे हैं।

ट्रंप ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, हम किसी बेबसी में नहीं मिले थे, बल्कि ईरान हताश था। वे पूरी तरह खत्म हो चुके हैं! हम 60 दिनों की इस अवधि को देखेंगे। उन्हें कोई पैसा नहीं मिल रहा, 10 सेंट भी नहीं!जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद वर्साय में ट्रंप द्वारा दूरस्थ रूप से हस्ताक्षरित इस प्रारंभिक समझौते का उद्देश्य एक व्यापक शांति की दिशा में 60 दिनों की तेज गति से काम शुरू करना था। इसके विपरीत, इस कदम ने देश के भीतर एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है।

रिपब्लिकन खेमे में दरार

रिपब्लिकन सीनेटर बिल कैसिडी उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने अपनी पार्टी के रुख से अलग हटकर इस समझौते की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे दशकों की सबसे खराब विदेश नीति की भूल करार दिया है।

दूसरी ओर, लेट-नाइट कॉमेडियन्स और सोशल मीडिया ट्रोल्स के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है, जो इस समझौते की तुलना युद्ध जीतने और उसकी रसीद खो देने से कर रहे हैं। हालांकि इस उपहास का बड़ा हिस्सा राजनीतिक है, लेकिन व्हाइट हाउस के लिए सबसे गंभीर समस्या यह है कि अब आलोचना सिर्फ डेमोक्रेट्स तक ही सीमित नहीं रह गई है।ट्रंप ने खुद भी ऐसे बयान देकर अपनी मुश्किलें बढ़ा दी हैं जिसने अमेरिका के इजरायल-समर्थक गुटों को हैरान कर दिया है।

नीट री-एग्जाम- नागपुर के छात्र को अबू धाबी सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी।नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम से पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी शनिवार को देशभर में मॉक ड्रिल कर रहा है। एग्जाम को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन और सेंटरीय एजेंसियों के साथ मिलकर मल्टी लेयर सिक्योरिटी तैयार की गई है।

उधर, कई जगह से स्टूडेंट्स के एग्जाम सेंटर बदलने की शिकायत मिल रही हैं। नागपुर के अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब को जारी एडमिट कार्ड में नागपुर की जगह अबू धाबी का सेंटर मिल गया।इसी तरह भुवनेश्वर की संजना संजीवनी को देहरादून में सेंटर दे दिया गया है। हालांकि बाद में गलती सुधार दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के डीजी अभिषेक सिंह ने बताया दोनों के सेंटर बदल दिए गए हैं।21 जून को होने वाली एग्जाम में 22.79 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5000 से ज्यादा एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के मुताबिक एग्जाम कंडक्ट कराने में 2 लाख से अधिक कर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर लगाए गए हैं।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अनुसार, एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5ः15 बजे तक पेन-एंड-पेपर मोड में होगी। क्2ष्ठ और क्2क्ष्ठ श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देते हुए शाम 6ः20 बजे तक एग्जाम लिखने की अनुमति होगी।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का स्पष्टीकरण: एडमिट कार्ड दोबारा डाउनलोड करने की जरूरत नहीं: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने 21 जून को होने वाली नीट एग्जाम का नया एडमिट कार्ड पहले ही डाउनलोड कर लिया है, उन्हें इसे दोबारा डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

एजेंसी ने कहा कि स्स्र्, ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए भेजे जा रहे संदेश मुख्य रूप से उन छात्रों के लिए हैं, जिन्होंने अभी तक अपना नया एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किया है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अनुसार, 3 मई को जारी एडमिट कार्ड अब मान्य नहीं होंगे, क्योंकि कई छात्रों को उनकी पसंद के शहरों में नए एग्जाम सेंटर दिए गए हैं।

पहले जानिए नीट री-एग्जाम की जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल, 3 मई 2026 को नीट परीक्षा देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया।

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

समर्थकों के साथ फालता थाने पर हमले का आरोप; पुलिस ने पति से कान पकड़कर परेड कराई थी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है।पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कई बार फालता में उसकी परेड कराई। इस दौरान जहांगीर कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगता दिखा। जहांगीर बंगाल विधानसभा चुनाव में फालता सीट से टीएमसी उम्मीदवार था। वोटिंग से ठीक पहले उसने चुनावी मैदान छोड़ दिया था।

जहांगीर ने फालता में पुष्पा स्टाइल छवि बनाई थी:जहांगीर खान को ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। उसने डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले फालता इलाके में मजबूत राजनीतिक पकड़ बना ली थी। विधानसभा चुनाव के दौरान आइपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा के साथ बहस के बाद वह चर्चा में आया था। उसने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के मुख्य किरदार की तरह पेश किया था।

सीएम ने कहा था- हर प्रदर्शनकारी पर कार्रवाई होगी

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अदिकारी ने 17 जून को फालता थाने पर हमले की घटना पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने पुलिस से विरोध-प्रदर्शन और हिंसा के वीडियो फुटेज में दिख रहे सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मामला दर्ज करने कहा था।

दुष्कर्म मामले में आरोपित को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दी राहत, कहा- रिश्ता टूटना अपराध नहीं

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज के संजय सरोज उर्फ संजय कुमार के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म सहित अन्य आरोपों की सम्पूर्ण आपराधिक कार्यवाही को रद कर दी है। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश पारित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के बीच पांच वर्षों तक चला संबंध पूरी तरह सहमति पर आधारित था और बाद में रिश्ता बिगड़ने पर दर्ज कराई गई एफआइआर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। पीड़िता ने 10 अगस्त 2019 को प्रयागराज जनपद के कर्नलगंज थाने में आवेदक के विरुद्ध धारा 376, 323, 504 व 506 आइपीसी के तहत एफआइआर दर्ज कराई थी। उसका आरोप था कि आवेदक ने वर्ष 2014 से शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

अब लोकसभा से पास हो जाएगा परिसीमन विधेयक, भाजपा ने कर लिया दो तिहाई बहुमत का जुगाड़ सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों में लगातार हो रही टूट की सियासी घटना ने केंद्र की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के हौसलों को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। सरकार में यह भरोसा लगातार बढ़ रहा है कि अगले महीने शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र तक वे संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल कर लेंगे। द टेलीग्राफ ने अपनी एक रिपोर्ट में एक केंद्रीय मंत्री के हवाले से बताया, हमें पूरा भरोसा है कि मॉनसून सत्र तक हम महिला आरक्षण को लोकसभा और विधानसभा सीटों के नए परिसीमन से जोड़ने वाले संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी संख्या बल जुटा लेंगे।

एजेंडे पर हैं दो बड़े ऐतिहासिक सुधार

केंद्र सरकार दो बेहद महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयकों को संसद से हरी झंडी दिखाने की तैयारी में है, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। महिला आरक्षण और परिसीमन। इस कानून के जरिए देश में महिला आरक्षण को लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और सीमाओं को दोबारा तय करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

23 जून को तेलंगाना से आगे बढ़ेगा मानसून

एमपी-छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली एजेंसी। देश में मानसून की रफ्तार धीमी होने के बावजूद मौसम ने भारी तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटों में मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से 16 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून 23 जून को तेलंगाना से आगे बढ़ छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है।

दरअसल, मानसून अब तक 19 राज्यों में पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में ही फंसा हुआ है। यानी 12 दिनों से मानसून तेलंगाना से आगे नहीं बढ़ा रहा है। हालांकि, यूपी और राजस्थान समेत 8 राज्यों में प्री-मानसून के बावजूद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गए हैं। अगले 4-5 दिनों में मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य हिस्सों में आगे बढ़ सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मु के जन्मदिन पर पैतृक गांव पहुंचे पीएम मोदी

भुवनेश्वर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने एक दिवसीय दौरे पर ओडिशा को बड़ा उपहार दिया है। 47 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के साथ ही ओडिशा सरकार के दो वर्ष पूर्ति के उपलक्ष्य में आयोजित जनसभा को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, राज्यपाल डा. हरिबाबू कम्भमपति ने राष्ट्रपति को जन्म दिन की शुभकामना दी। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी इस दौरे में प्रधानमंत्री के साथ रहीं।आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, आज पूर्वाह्न लगभग 11ः15 बजे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मयूरभंज जिले के पहाड़पुर गांव पहुंचे।यहां वे संथाली जाहेरा और हो जाहेरा के पवित्र उपवनों में पूजा-अर्चना किए।इसके अलावा वे स्किल सेंटर और पहाड़पुर स्कूल का भी किए।यह यात्रा जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल विकास तथा सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करेगी।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के साथ उनके गांव का भी भ्रमण किया है, राष्ट्रपति के स्कूल का भी प्रधानमंत्री ने परिदर्शन किया, ऐसे में उक्त क्षेत्र में सुबह से ही उत्सव एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला।लोग सुबह से ही सड़क किनारे पारंपरिक नृत्य गीत करते हुए प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति का स्वागत किए। राष्ट्रपति का जन्म दिन होने से आज लोगों ने अपनी शुभकामना दी।विभिन्न प्लाकार्ड लेकर लोग जगह जगह खड़े रहे।पहाड़पुर जाते समय राष्ट्रपति ने अपने काफिले को रोककर बच्चों से मुलाकात की और उन्हें चाकलेट दिया।ये बच्चे राष्ट्रपति की एक झलक पाने को सड़क किनारे घंटे से खड़े थे। राष्ट्रपति महुलीपड़ा घर से निकलकर पहाड़पुर पहुंची जहां पर मुख्यममंत्री ने उनका स्वागत किया।

इन परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

- 600 मेगावाट की अपर इंद्रावती पंप्ड स्टोरेज परियोजना।
- आईबी थर्मल पावर स्टेशन के स्टेज-2 विस्तार परियोजना की दो नई 660-660 मेगावाट इकाइयां।
- झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) परियोजना।
- भुवनेश्वर में 300 टीपीडी क्षमता का स्रोत-आधारित पृथक्कृत ठोस कचरे से संचालित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र।
- कटक और भुवनेश्वर को सीधे जोड़ने के लिए काठजोड़ी नदी पर नया पुल।
- बौद्ध जिले में ढालपुर-हरभंगा सड़क का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण।
- नुआपड़ा से घाटीपाड़ा तक एनएच-353 के एक हिस्से का फोरलेन निर्माण।
- कुसुमढी मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना।
- रायरंगपुर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र और इंडोर बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स।

प्रमुख परियोजनाएं

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने ऊर्जा, औद्योगिक अवसंरचना, सड़क संपर्क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किए।इन परियोजनाओं से राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूती, बेहतर संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

इन परियोजनाओं का उद्घाटन

- बौद्ध में 300 बिस्तरों वाला जिला मुख्यालय अस्पताल भवन।
- ओडिशा के विभिन्न जिलों में 24 अटल बस स्टैंड।
- नौ स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन)।
- एनएच-57 पर नयागढ़ टाउन बाईपास।
- कुसुमी स्मार्ट सिंचाई परियोजना का भूमिगत पाइपलाइन घटक।
- जखपुरा-जाजपुर-केंदुझर रोड-बैतरणी रोड मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना।
- हिंदोल रोड-मेरामंडली मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना। रायरंगपुर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और ट्राइबल रिसर्च सेंटर का प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति ने उद्घाटन किया है।

जब बैलगाड़ी पर लादना पड़ा 673 किलो का सैटेलाइट, इसरो की रॉकेट साइंस से दुनिया थी हैरान

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो आज दुनियाभर के लिए एक मिसाल है। रूस, अमेरिका,जापान और चीन के साथ भारत के अंतरिक्ष विज्ञान का भी दुनिया लोहा मानती है। हालांकि यह सफर जब शुरू हुआ थो तो सैटेलाइट बनाने के लिए एक छत भी नहीं थी। एक टिन शेड के नीचे ही देश का पहला सैटेलाइट बनाया गया। वहीं जब इसे बैलगाड़ी पर लादकर ले जाया गया तो तस्वीरें पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गईं। भारत के पहले संचार उपग्रह एपलश्च को फ्रांस के गुयाना स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाना था। कुछ ऐसा हुआ कि सैटलाइट को बैलगाड़ी पर लदना पड़ गया।उस समय टेलीफोन या फिर टेलेक्स पर अपना संदे भेजने के लिए कॉल बुक करनी पपड़ती थी। इसरो के पास तब मेनफ्रेम कंप्यूटर तक नहीं थे। श्रीहरिकोटा के मिशन कंट्रोल सेंटर पर एप्पल को बनाया गया। भारत के लिए यह बेहद अहम मिशन था। सैटलाइट के साथ संपर्क करने के लिए बेहद जरूरी टेलीमेट्री, ट्रेकिंग ऐंड कंट्रोल लिंक में कुछ समस्या पाई गई थी। लॉन्च से पहले इसकी जांच करना बेहद जरूरी था। इसकी जांच एंटीना रेंज में ही की जा सकती थी। इसरो के पास उस समय सैटलाइट को ले जाने के लिए कोई स्पेशल साधन नहीं था।

मैग्नेटिक फील्ड से बचाने के लिए किया गया बैलगाड़ी का इस्तेमाल

इसरो के पूर्व वैज्ञानिक आरएम वासागम ने अपने पेपर में लिखा, हमें सैटेलाइट की पूरी तरह से जांच करके इसे फ्रांस भेजना था। जांच के लिए इसे एंटीना की रेंज में ले जाना था। इसके बाद 150 रुपये में एक बैलगाड़ी मंगवाई गई। यह टेस्ट ऐसी जगह पर होना था जहां कोई मैग्नेटिक फील्ड ना काम कर रही हो। इसके लिए थर्मल ब्लैंकेट का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन भारत के पास यह तकनीक उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में बैलगाड़ी पर लादकर एप्पल को एंटीना की रेंज में ले जाया गया। इसके बाद बैलगाड़ी वाली तस्वीर चर्चा का विषय बन गई। हालांकि इसके पीछे मुख्य वजह मैग्नेटिक फील्ड से दूर रहना था।एप्पल भारत का पहला कम्युनिकेशन सैटेलाइट था। इसे फ्रांस के स्पेस स्टेशन से 1981 में लॉन्च किया गया था। इसे मात्र दो साल में तैयार किया गया था। इसका इस्तेमाल टीवी कार्यक्रमों और रेडियो सेवा के प्रसारण में भी किया गया। इसके बाद इसरो ने रफ्तार पकड़ी और सैटलाइट लॉन्चिंग में महारत हासिल कर ली।

शेड के नीचे बनाया गया सैटेलाइट

इसरो के पास सैटेलाइट को बनाने के लिए कोई जगह नहीं थी। ऐसे में शहर के बाहर पीन्या इडस्ट्री इलाके में एक टिन शेड उपलब्ध करवाया गया था। वैज्ञानिकों ने सुविधा पर ध्यान दिए बिना दिन रात परश्रिम किया। वैज्ञानिकों ने थर्माकोल और टेप आद की मदद से टिन शेड को ही कमरा बना दिया। इसके बाद यूआर राव के नेतृत्व में पहला सैटेलाइट तैयार किया गया थआ। 2017 तक यूआर राव के नेतृत्व में करीब 18 सैटेलाइट तैयार किए गए थे।

बांग्लादेश में बेरोजगारी, इसलिए भारत में अवैध घुसपैठ कर रहे वहां के नागरिक; पूछताछ में कई बड़े खुलासे

गढरुगळठम, एज।पफ बफ्त। डदनें गढरुगळठम के अलग-अलग इलठकें प। ड्क्क बठंग्लठद।छठफ नठगडरकें के पकड़ठ गयठ थठ, य० पव्लफ बठर नव्फं थठ, इपप। पव्ल। भफ तफ्त पठलें मां पब प। ज्यठदठ बठंग्लेदछठफ नठगडरक अवःध रूप प। रव्त। पठए जठ चढके ब्ं। भठरत मां इनके अवःध रूप प। घ्ठढपपःठ करन। के पफछ। कठ कठरण्ठ जब इनप। पज़्छठ गयठ तब उन्व्हें। बठंग्लेदछठ मां रेजफ-रेटफ कठ पंकट व्हे। जःपफ बठत। कव्फ। पज़्छतठछ मां पतठ चलठ डक बठंग्लेदछठ मां ब।रेजगठरफ के कठरण्ठ इन्वं मव्फनें तक कठम नव्फं डमल रव्ठ थठ। पेमवठर अबर मंगलवठर के चलठए गए अडभयठन मां इस्लठम, पढमेन अलफ, अठडरफ, पबफ्र व्ढपःन, रूबल, पठडकब, रेब्यज़्ल, गढलजठर व्ढपःन, नइलम, मव्बज़्ब, व्मफ्दज़् इस्लठम, अडतव्ठर रव्मठन, व्ःपम नठम के बठंग्लठद।छठफ नठगडरकें के पकड़ठ गयठ थठ।

अवःध रूप प। भठरत मां घ्ठढप। थ।: य। पभफ पेव्नठ, ट्यज़्डलप चबक, प।क्टर 70, नखड़बलठ, मठन।पर व डवडभन्न जगठें पर इठढडग्गयें व डनमठलण्ठठधफ्त पठइट के पठप र०र०। थ।। पभफढाका के पास ठाकुरबाड़ी और कंडी क्षेत्र के रहने वाले हैं। ये कालियागंज बॉर्डर से बांग्लादेशी एजेंट की मदद से अवैध रूप से भारत में घुसे थे। इन नागरिकों से पूछताछ में पता चला कि बांग्लादेश में इनके जैसे अनेक परिवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बीते कई सालों से बांग्लादेश के हालात ठीक नहीं हैं। वहां पर उद्योग धंधे भी बंद हो रहे हैं। दिहाड़ी श्रमिक का काम भी नहीं मिल पा रहा था। करीब एक साल पहले नागरिकों ने कर्ज लेकर एजेंटों को पैसे दिए और भारत में घुसपैठ की। ये नागरिक यहां पर ऊंची-ऊंची निर्माणाधीन बिल्डिंगों पर पाइप का काम कर रहे थे।

पिछले साल खाली हो गई थीं झुग्गियां, अब फिर नूंह तक बसावट

गुरुग्राम समेत एनसीआर में पुलिस ने बांग्लादेशी रोहिंग्याओं के खिलाफ कड़ा अभियान चलाया था। गुरुग्राम पुलिस ने भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की थी और इन्हें पकड़कर डिटेंशन सेंटर में रखा था। पुलिस की कार्रवाई से डर के कारण रातों-रात कई जगहों पर बसीं झुग्गियां खाली हो गई थीं और रोहिंग्या यहां से चले गए थे। लेकिन समय बीतने के साथ ही अब फिर से धीरे-धीरे इनकी वापस हो गई और अब झुग्गियां दिल्ली से राजस्थान बार्डर तक बस गई हैं। नूंह के पुन्हाना, फिरोजपुर झिरका और बिछौर इलाकों में झुग्गियां बसी हुई हैं और सैकड़ों की संख्या में रोहिंग्या रह रहे हैं।

गुरुग्राम में यहां हैं अवैध झुग्गी बस्तियां

राजीव चौक, सेक्टर 70, नखड़ौला, नाथूपुर, सिलोखरा, मानेसर, बादशाहपुर, सिकंदरपुर, सेक्टर 56, सेक्टर 37, तिगरा, वजीराबाद, मानेसर के कई इलाकों में अवैध झुग्गी बस्तियां हैं। यहां रहने वाले लोग आसपास कूड़ा बीनने, घरों में काम करने, भीख मांगने व अन्य छोटे-मोटे काम करते हैं। जिले में अलग-अलग जगहों पर बस्तियां बसाकर सैकड़ों बांग्लादेशी रोहिंग्या मुसलमान डेरा जमाए हुए हैं। हालांकि, गुरुग्राम पुलिस व प्रशासन के पास इनका कोई सटीक आंकड़ा नहीं है।

गाजियाबाद में ऑटो सवार महिला से गहने और नकदी ले भागे बदमाश, नोटों की गड्डी दिखाकर बनाया शिकार

गाजियाबाद, एजेंसी। विजयनगर थाना क्षेत्र में दो युवक ऑटो सवार महिला को झांसे में लेकर उसके जेवर और नकदी ठग ली। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। गौपुरी निवासी अर्चना सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 16 जून की शाम गौर सिटी से ऑटो में घर लौट रही थीं। राहुल विहार अंडरपास के पास ऑटो बदलने के लिए उतरकर वह गऊशाला की ओर जाने वाले ऑटो का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान दो अज्ञात युवक उनके पास आए और बातचीत करने लगे। महिला का आरोप है कि दोनों युवकों ने उन्हें बातों में उलझा लिया। इसके बाद एक युवक ने नोटों की मोटी गड्डी दिखाकर उन्हें अपने झांसे में ले लिया। आरोपितों ने किसी तरह भरोसा जीतकर उनसे पहनी हुई सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी और एक चांदी की अंगूठी उतरवा ली। पर्स में रखे 300 रुपये भी ले लिए। पीड़िता के अनुसार जब तक उन्हें ठगी का एहसास हुआ, तब तक दोनों युवक मौके से फरार हो चुके थे।

फरीदाबाद में सामने आई बड़ी लापरवाही, स्वास्थ्य केंद्र की इमारत जर्जर, धूल फांक रही लाखों की मशीनें

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में जिला नागरिक अस्पताल में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड कराने को लेकर लोग अक्सर नाराजगी जताते हैं। यहां इन सुविधाओं के लिए मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। नागरिक अस्पताल में तो चार में से से दो साल से एक एक्सरे मशीन ही खराब है। ऐसे में ओपीडी में आने वाले मरीजों का एक्सरे दोपहर बाद किया जाता है। ऐसी स्थिति में खेड़ी कलां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक एक्सरे मशीन और अल्ट्रासाउंड मशीन का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है।ग्रामीणों की ओर से आवाज उठाने पर पहले एक्सरे मशीन चालू कर दी गई थी, जो अब बंद पड़ी है। यहां प्रतिदिन ओपीडी में लगभग 300 मरीज आते हैं, मगर एक्सरे व अल्ट्रासाउंड की जरूरत पड़ने पर उन्हें भटकना पड़ता है। शुक्रवार को सर चौधरी छोटू राम सेवा समिति खेड़ीकलां के प्रधान सत्यापाल नरवत के साथ कई ग्रामीणों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.जयंत आहूजा के साथ मिल कर खेड़ी कलां स्वास्थ्य केंद्र की दशा सुधारने की मांग की।

धूल फांक रही मशीनें: केंद्र की जर्जर इमारत पर समिति ने नाराजगी जताई है और केंद्र में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की सुविधा चालू करने को कहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. जयंत आहूजा को मांग पत्र देते हुए समिति के प्रधान सत्यपाल नरवत, कोषाध्यक्ष अनिल नरवत, सह सचिव रिशिपाल, कार्यकारिणी सदस्य अनूप सिंह, पवन, चंद्रवीर भारद्वाज कार्यकारी सदस्य अनूप सिंह, अमित नरवत व महेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना के समय में अल्ट्रासाउंड मशीन आई थी। आज तक केंद्र में धूल फांक रही है।

अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं: एक्सरे मशीन के साथ कई ऐसे उपकरण हैं जो सीएसआर के तहत केंद्र को मिले थे। इनका विभाग मरीजों के लिए इस्तेमाल नहीं कर पाया है। सत्यपाल नरवत ने नाराजगी जताई कि कई उपकरण केंद्र में वर्षा के कारण खराब हो रहे हैं और अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। दो साल पहले एक्सरे मशीन चालू की गई थी और अब पांच महीने से बंद पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी केंद्र की जिस इमारत में कार्य करते हैं। उसकी छत का लेंटर जगह-जगह से टूट रहा है। जर्जर इमारत को लेकर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सीएमओ डा. जयंत आहूजा ने समिति को आश्वासन दिया कि वह इन सभी मामलों को गंभीरता से लें। कार्रवाई करके समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा एक्सरा मशीन को जल्दी चालू करा दिया जाएगा। इमारत की दशा सुधारने को लोक निर्माण विभाग को लिखा जाएगा।

14 साल की लड़की को शादी के बहाने 32,000 रुपये में बेचा, उसके साथ गैंगरेप किया गया; 4 लोग गिरफ्तार

जयपुर एजेंसी। राजस्थान के अजमेर जिले की पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने शादी का झांसा देकर 14 साल की लड़की की तस्करी की, उसे 32,000 रुपये में बेचा और फिर उसके साथ गैंगरेप किया। ये गिरफ्तारियां 'उमंग अभियान के तहत मानव तस्करी विरोधी मुहिम के दौरान की गई। आरोपियों की पहचान रोशनी खातून (22), आफरीन उर्फ नूरजहां, अफसाना उर्फ बिजली और मोहम्मद जिशान उर्फ दिशु (21) के तौर पर हुई है।

कैसे खुला मामला: यह मामला 13 जून, 2026 को दरगाह पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। लड़की की मां ने शिकायत की थी कि उसकी नाबालिग बेटी को दो महिलाओं अफसाना उर्फ बिजली और मर्जीना ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया था। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान चलाया गया और बाद में लड़की को चुरू जिले के सरदारशहर से छुड़ा लिया गया। लड़की के बयान, मेडिकल जांच और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहित और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

शादी के बहाने बच्ची को बेचा गया: जांचकर्ताओं ने बताया कि इस मामले में नाबालिग को शादी के बहाने बेचने और उसके साथ यौन शोषण करने की एक सोची-समझी साजिश शामिल थी। दरगाह के सर्कल ऑफिसर लक्ष्मणराम ने कहा, 'नाबालिग लड़की को सुनियोजित तरीके से बहला-फुसलाकर ले जाया गया, उसकी तस्करी की गई और शादी के लिए 32,000 रुपये में बेच दिया गया, जिसके बाद उसके साथ गैंग-रेप किया गया। लड़की को सरदारशहर से बचाया गया। अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ' कोर्ट में पेश किए जाने पर मोहम्मद जीशान उर्फ दिशु और रोशनी खातून को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हिमाचल में पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर किशोर, 14 से 18 साल के 64055 बच्चे नहीं जाते स्कूल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। शून्य नामांकन स्कूलों का युक्तीकरण कर उन्हें समाप्त कर दिया है। एक शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी लाई है। इसके बावजूद प्रदेश में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 64,055 किशोरों का स्कूलों से बाहर होना शिक्षा विभाग और सरकार के लिए चिंता का विषय बना है। इनमें से कुछ ने नौवीं व दसवीं के बाद तो कुछ ने 12वीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया है।

22वीं बैठक में इस विषय पर हुई चर्चा: शिमला में शुक्रवार को आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति की 22वीं बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती ड्रापआउट रोकने और किशोरों को स्कूलों में बनाए रखने की है। 64,055 किशोरों में 29,795 लड़के और 34,260 लड़कियां शामिल हैं। कुल पुरुष आबादी के 10.13 प्रतिशत और महिला आबादी के 13.35 प्रतिशत बच्चे शिक्षा से बाहर हैं। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर बच्चों को स्कूलों में बनाए रखना चुनौती बना हुआ है। हालांकि हिमाचल की स्थिति पंजाब, राजस्थान और जम्मू कश्मीर से बेहतर है। स्कूल छोड़ने वाले 14 से 18 वर्ष के किशोरों की संख्या पंजाब में 4.24 लाख, जम्मू कश्मीर 85,785, हरियाणा 3.44 लाख, राजस्थान 17.39 लाख, चंडीगढ़ 8596, दिल्ली 1.51 लाख, लद्दाख 2236 और नार्थ जोन में 28,19,966 है। पूरे देश में यह संख्या 2,00,72,909 है। स्कूल छोड़ने का कारण परिवार की आय बढ़ाने के लिए काम करनाहिमाचल में लड़कों के स्कूल छोड़ने का सबसे बड़ा कारण परिवार की आय बढ़ाने के लिए काम करना है। लड़कियों में घरेलू जिम्मेदारियां, आर्थिक कारण और शिक्षा को आवश्यक न समझना प्रमुख वजह हैं।

ईस्ट ऑफ कैलाश में नलों से आ रहा 'जहर' लोग पड़ रहे बीमार, प्रशासन से पानी जांचने की गुहार

नईदिल्ली, एजेंसी। ईस्ट आफ कैलाश में पिछले चार महीनों से लोग दूषित पेयजल की समस्या से त्रस्त हैं। घरों में सीवर जैसे गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है। दूषित पानी मिलने की वजह से लोगों को गर्मी में रोजाना के कार्यों के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय निवासियों की शिकायत है कि कई जगहों पर पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त है, जिसकी वजह से पानी में सीवर मिक्स हो रहा है। लोग दूषित पानी पीकर बीमार हो रहे हैं और इसे लेकर संबंधित विभागों को कई शिकायतें की जा चुकी हैं। ईस्ट आफ कैलाश के बी-ब्लाक में एसएफएस फ्लैट्स के निवासियों के अनुसार कई बार पीने का पानी मटमैला और कई बार बिल्कुल काला और बदबूदार आ रहा है। रोजाना मोटर चलाने पर कुछ समय तक घरों में गंदा पानी पहुंचता है। इसकी वजह से लोग सप्लाई का पानी इस्तेमाल ही नहीं कर पा रहे हैं और टैंकर मंगवाकर गुजारा करने को मजबूर हैं। पिछले दिनों शिकायतों के बाद दिल्ली जल बोर्ड की टीम ने आकर जांच भी की थी, लेकिन समस्या हल नहीं हुई। इस बारे में आरडब्ल्यूए ने दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी और जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर राहत दिलाने की मांग की है।

गंदे पानी से लोग हो रहे बीमार: इलाके के करीब चार ब्लाक्स में 80 परिवार दूषित पेयजल की परेशानी से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। लोगों का आरोप है कि दूषित पानी की वजह से कई लोग पेट दर्द, डायरिया, और इंफेक्शन जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर चुके हैं। 34-बी फ्लैट में एक तीन साल का बच्चा पेट में इंफेक्शन की वजह से पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती है। लोगों का कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों की सेहत सबसे ज्यादा प्रभावित है। इसे लेकर आरडब्ल्यूए ने जल बोर्ड के अधिकारियों, एमसीडी कमिश्नर, महापौर सहित स्थानीय विधायक को शिकायत भेजी है। इसमें लिखा है कि मामले को तत्काल गंभीरता से लेते हुए पानी और सीवर लाइनों की जांच करवाई जाए और लीकेज का पता लगाकर समाधान किया जाए। साथ ही पानी की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग भी उठाई है। घरों में दूषित पेयजल की समस्या को विभागों को गंभीर जनस्वास्थ्य परेशानी के तौर पर देखना चाहिए। हमारे घरों में लोग पानी की वजह से बीमार हो रहे हैं। लंबे समय से हम लोग शिकायत कर रहे हैं, लेकिन समस्या दूर करने के नाम पर खानापूरी कर दी जाती है। हमने पत्र लिखकर पाइपलाइनों की जांच करने, क्षतिग्रस्त लाइनों को ठीक करने और सीवर चैंबरों की सफाई सुनिश्चित कर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई है।

ट्रंप बोले- सख्त शख्सियत वाले महान नेता हैं पीएम मोदी; शहबाज-मुनीर की जोड़ी को लेकर क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को महान नेता और बहुत मजबूत व्यक्तित्व वाला बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 12 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं और बेहद मजबूती के साथ नेतृत्व कर रहे हैं। एक्सियोस को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन नेताओं में शामिल बताया, जिन्हें वह शक्ति, प्रभाव और फैसलों को लागू करने की क्षमता के लिहाज से सबसे अधिक पसंद करते हैं।

पीएम मोदी की तारीफ में क्या बोले ट्रंप: डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। भारत ने हाल में काफी अच्छे आंकड़े पेश किए हैं। वह युद्धों से दूर रहते हैं, जो समझदारी है। भारत की आबादी 1.5 अरब है। वास्तव में भारत सबसे बड़ा है। और पीएम मोदी एक महान नेता हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका का भारत के साथ बड़ा व्यापारिक संबंध है। ट्रंप ने कहा कि पहले भारत अमेरिका का फायदा उठाता था, लेकिन अब दोनों देशों के बीच निष्पक्ष व्यापार हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'हम भारत के साथ बहुत व्यापार करते हैं, लेकिन अब यह निष्पक्ष व्यापार है। पहले वे वास्तव में हमारा काफी फायदा उठाते थे। मैं इसके लिए उन्हें दोष नहीं देता। हमारे पास ऐसे राजनेता थे जिन्होंने ऐसा होने दिया। लेकिन अब हम उनके साथ काफी व्यापार कर रहे हैं।' ट्रंप ने कहा, 'वे इससे बहुत खुश नहीं हैं, क्योंकि पहले उन्हें ज्यादा फायदा होता था। फिर भी मोदी शानदार हैं। '

ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग को लेकर क्या कहा: अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भी तारीफ करते हुए उन्हें प्रभावशाली और आत्मविश्वास से भरपूर नेता बताया। उन्होंने कहा, 'अगर आप इन दोनों में से किसी पर फिल्म बनाना चाहें, तो हॉलीवुड में आपको उनके जैसा व्यक्ति नहीं मिलेगा।' पीएम मोदी का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, 'मोदी बिल्कुल अलग तरह के नेता हैं। उन्हें बहुत सम्मान मिलता है। मैं असली मोदी को जानता हूं। वह बेहद मजबूत और सख्त व्यक्तित्व वाले शख्स हैं। हाल के समय में मुझे उन्हें और करीब से जानने का अवसर मिला। ' ट्रंप और पीएम मोदी ने बुधवार को फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की थी। यह बैठक ऐसे समय हुई जब पिछले एक वर्ष के दौरान दोनों देशों के संबंधों में कुछ तनाव देखने को मिला था।

समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान के नए नियम 48 घंटे पहले आवेदन जरूरी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए नए नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत अब जहाजों को पहले से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इस बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते में प्रवेश करने से पहले परमिट और बीमा लेना जरूरी होगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका-ईरान समझौते के बाद हाल ही में यह जलमार्ग फिर से खोला गया है।

जलमार्ग फिर से खोला गया: ईरान की नई बनाई गई पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने ये नए नियम जारी किए हैं। यह संस्था वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुए समझौते के तहत बनाई गई है, जिसका मकसद तीन महीने से ज्यादा चले संघर्ष के बाद इस रणनीतिक समुद्री रास्ते से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू करना है। अथॉरिटी के मुताबिक, इन नियमों का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह रास्ता दुनिया के करीब एक-पांचवें हिस्से के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) व्यापार के लिए इस्तेमाल होता है। पीजीएसए ने कहा, इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और संबंधित अधिकारियों के निर्देश जारी होने के बाद, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को सूचित किया जाता है कि तय समय के दौरान केवल वही जहाज गुजर सकेंगे जो जरूरी नियमों को पूरा करते हुए अपनी यात्रा की अनुमति के लिए आवेदन जमा करेंगे।

पहले फॉर्म, फिर प्रवेश: होर्मुज से अमेरिकी नाकाबंदी हटते ही ईरान का नया फरमान सिर्फ इन जहाजों की ही एंट्री

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान ने बड़ा बदलाव कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब कोई भी जहाज सीधे होर्मुज से नहीं गुजर सकेगा। ईरान ने नई अनुमति व्यवस्था लागू करते हुए कहा है कि केवल वही जहाज इस समुद्री मार्ग का इस्तेमाल कर पाएंगे जो पहले से आवेदन करेंगे और तय नियमों का पालन करेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के बाद समुद्री व्यापार को फिर से सामान्य बनाने की तैयारी चल रही है। चूंकि दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए ईरान के इस कदम को वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। यानी अब होर्मुज से गुजरने का रास्ता स्वतः खुला नहीं रहेगा, बल्कि अनुमति आधारित होगा। ईरान का कहना है कि इससे समुद्री सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकेगा।

कौन-कौन से जहाजों को ही मिलेगी एंट्री?

ईरान के नए नियमों के अनुसार केवल वही जहाज होर्मुज से गुजर सकेंगे जो पीजीएसए के पास निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करेंगे। जहाज को अपना नाम, झंडा, आईएमओ नंबर, कार्गो की जानकारी, मालिक का विवरण, बीमा संबंधी दस्तावेज और यात्रा का पूरा कार्यक्रम देना होगा। इसके अलावा जहाज पर मौजूद चालक दल की संख्या और उनकी राष्ट्रीयता तक की जानकारी मांगी जाएगी। यदि कोई जानकारी अधूरी पाई जाती है तो आवेदन लंबित रखा जा सकता है या खारिज भी किया जा सकता है। इसका मतलब है कि अब केवल नियमों का पालन करने वाले जहाजों को ही प्रवेश मिलेगा।

48 घंटे पहले आवेदन की शर्त क्यों लगाई गई?

पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि जहाजों को होर्मुज क्षेत्र में पहुंचने से कम से कम 48 घंटे पहले आवेदन जमा करना होगा। एजेंसी का कहना है कि क्षेत्र में अभी भी सुरक्षा चुनौतियां मौजूद हैं। कुछ समुद्री इलाकों में युद्ध के प्रभाव और संभावित खतरे बने हुए हैं। ऐसे में प्रत्येक जहाज के लिए अलग मार्ग और समय तय करना जरूरी है। ईरान का दावा है कि इससे टकराव, दुर्घटना और सुरक्षा संबंधी जोखिम कम होंगे। आवेदन की समीक्षा के लिए भी एजेंसी को 48 घंटे तक का समय मिलेगा।

प्रसंस्करण इकाइयों के पुनर्जीवन से किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई ताकत : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने चुरहट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झलवार का दौरा किया इस दौरान उन्होंने चुरहट एग्री प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा पूर्व में संचालित प्रसंस्करण इकाई तथा चुरहट मुर्गी पालक संघ द्वारा संचालित फीड प्लांट का निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति और संभावनाओं का विस्तृत आकलन किया।

निरीक्षण के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है बल्कि उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और प्रभावी विपणन व्यवस्था विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने सांसद को प्रसंस्करण इकाई के पूर्व संचालन, उससे जुड़े किसानों को हुए लाभ तथा वर्तमान स्थिति की विस्तार से जानकारी दी उन्होंने इकाई को पुनः प्रारंभ करने के लिए आवश्यक संसाधनों, मशीनरी एवं भवन की मरम्मत संबंधी जरूरतों से भी अवगत कराया सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने प्रसंस्करण इकाई का अवलोकन करते हुए कहा कि इस इकाई के पुनर्जीवन के लिए वे संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र आवश्यक कदम उठाने का प्रयास करेंगे उन्होंने आश्वस्त किया कि भवन की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा ताकि इकाई को जल्द से जल्द पुनः क्रियाशील किया जा सके उन्होंने कहा कि इस पहल से क्षेत्र के किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा कृषि आधारित उद्यमिता को नई गति प्राप्त होगी। इसके बाद सांसद ने चुरहट मुर्गी पालक संघ द्वारा संचालित फीड प्लांट का भी निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने मुर्गी पालन से जुड़ी महिला हितग्राहियों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना और इस गतिविधि से होने वाली आय तथा जीवन स्तर में आए सुधार की जानकारी प्राप्त की। महिलाओं ने बताया कि मुर्गी पालन के माध्यम से उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। सांसद ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह और महिला उद्यमिता ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला हैं उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना है जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती मिल सके उन्होंने यह भी कहा कि जिले में कृषि, पशुपालन और प्रसंस्करण आधारित गतिविधियों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं यदि इन क्षेत्रों में उपलब्ध अधोसंरचना का समुचित उपयोग किया जाए तो किसानों और ग्रामीण परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है इसके लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे।

निर्धारित मूल्य से अधिक पर पुस्तकें बेचने पर होगी कार्रवाई, प्रशासन सख्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 के तहत एमपी बोर्ड एवं सीबीएसई पाठ्यक्रम की सभी पुस्तकें स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं के यहां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं इसके बावजूद कुछ दुकानदारों द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर पुस्तकें बेचने या उपलब्धता का बहाना बनाकर अभिभावकों को परेशान करने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि कोई भी विक्रेता पुस्तकों की कमी या सीमित स्टॉक का हवाला देकर मनमानी कीमत नहीं वसूल सकता कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी पुस्तक विक्रेताओं को पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने और विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई विक्रेता नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा सामग्री जैसे आवश्यक संसाधनों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि किसी दुकान पर पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई जातीं या निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूली जाती है, तो इसकी शिकायत तुरंत जिला शिक्षा केंद्र सीधी में दर्ज कराई जाए। इसके लिए दो मोबाइल नंबर 9424375922 और 9977476094 भी जारी किए गए हैं जिन पर सीधे शिकायत की जा सकती है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि प्राप्त शिकायतों की जांच गंभीरता से की जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता से नहीं होगा कोई समझौता : रीती पाठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए विधायक रीती पाठक ने शनिवार को कई महत्वपूर्ण निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं विधायक ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विधायक ने डिजिटल लाइब्रेरी, गोपालदास मंदिर परिसर, नौढ़िया स्थित निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन, शासकीय कन्या महाविद्यालय में बन रहे ऑडिटोरियम हॉल तथा जनपद पंचायत के प्रस्तावित नवीन भवन के लिए चिन्हित भूमि का अवलोकन किया उन्होंने प्रत्येक परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए विधायक रीती पाठक ने बच्चों और युवाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली उन्होंने निर्देश दिए कि लाइब्रेरी को आधुनिक तकनीकों और डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिल सके उन्होंने कहा कि यह परियोजना जिले के युवाओं के भविष्य से जुड़ी है और इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए। शासकीय कन्या महाविद्यालय में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम हॉल का निरीक्षण करते हुए विधायक ने भवन की संरचना, मंच, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं का बारीकी से परीक्षण किया उन्होंने निर्माण एजेंसी को सभी आवश्यक सुधार शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए विधायक ने कहा कि यह ऑडिटोरियम छात्राओं की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। निरीक्षण के दौरान उपस्थित कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि जिले में संचालित सभी विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों, निर्माण गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली जिंदगी, कच्चे मकान से पक्के घर तक पहुंचा साकेत परिवार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सरकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं सीधी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-7 निवासी गुलबिया साकेत और गणेश साकेत का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना इस योजना की बदौलत साकार हो गया है। अब उनका परिवार सुरक्षित और सुविधाजनक पक्के मकान में रहकर खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा है गुलबिया साकेत और गणेश साकेत का परिवार लंबे समय तक कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था बरसात के दिनों में घर की छत टपकती थी गर्मी में असहनीय तापमान और सर्दियों में ठंड से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी सीमित आय और आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार के लिए स्वयं पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत उनकी पात्रता तय हुई और उन्हें योजना का

लाभ मिला शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता के माध्यम से उनका नया पक्का मकान तैयार हुआ घर बनने के बाद परिवार की जीवनशैली में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब उन्हें मौसम की मार से राहत मिली है और सुरक्षित आवास का भरोसा भी प्राप्त हुआ है। नए घर में गृह प्रवेश के अवसर पर विधायक रीती पाठक ने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। गुलबिया साकेत और गणेश साकेत भावुक होकर बताते हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का घर होगा। वे कहते हैं कि पहले हर मौसम में परिवार को परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब उनके पास सुरक्षित और सम्मानजनक आवास है उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए केंद्र और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल एक निर्माण परियोजना नहीं बल्कि लाखों गरीब परिवारों के जीवन में सुरक्षा, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद जगाने वाली पहल है योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को न केवल छत मिल रही है बल्कि सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है।

एनसीएल ग्राउंड में अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण शुरू कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के खिलाड़ियों और स्कूली छात्र-छात्राओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी पहल हुई है एनसीएल ग्राउंड में लगभग 11 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू हो गया है शनिवार को कलेक्टर गौरव बैनल ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया उन्होंने कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि बारिश का मौसम पूरी तरह सक्रिय होने से पहले खुदाई का कार्य पूरा कर लिया जाए उन्होंने फाउंडेशन और बाउंड्री वॉल का निर्माण तेजी से शुरू करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा होना चाहिए ताकि खिलाड़ियों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके उन्होंने जोर दिया कि यह परियोजना सिंगरौली के खेल परिदृश्य को नई पहचान देगी खिलाड़ियों के लिए बड़ा प्लेटफार्म साबित होगा कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जिले के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म साबित होगा यहां उपलब्ध होने वाली आधुनिक सुविधाओं से स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा और वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकेंगे इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी इनमें सेमी ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल लॉन टेनिस कोर्ट बास्केटबॉल कोर्ट इनडोर बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस हॉल और क्रिकेट नेट प्रैक्टिस शामिल हैं परिसर को आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए गार्डन विकसित करने तथा बड़े पैमाने पर पौधरोपण की भी योजना है अधिकारियों का मानना है कि यह परियोजना आने वाले वर्षों में जिले के खेल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगी।

देशभर के वस्त्र कारीगरों के उत्पादों का मेला शुरू, उचित मूल्य पर मिलेगी आकर्षक वैरायटी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मानस मंडल के तत्वावधान में मानस भवन परिसर में देशभर के वस्त्र कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों के विशेष मेले का शुभारंभ किया गया यह मेला आगामी एक माह तक नगरवासियों के लिए खुला रहेगा, जहां विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और आधुनिक वस्त्र लागत एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए जाएंगे मेले के उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने इसे स्थानीय नागरिकों के लिए लाभकारी पहल बताया। मेले का शुभारंभ संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक डॉ. सी.बी. शुक्ला, मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय तथा वरिष्ठ समाजसेवी नारायण डिगवानी ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. शुक्ला ने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में इस प्रकार के आयोजन आम लोगों को राहत प्रदान करते हैं उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए कारीगरों द्वारा तैयार किए गए गुणवत्तापूर्ण वस्त्र और घरेलू उपयोग की सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पाण्डेय ने बताया कि संस्था हमेशा से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय रही है इसी उद्देश्य से नगरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस विशेष वस्त्र मेले का आयोजन किया गया है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मेला लोगों की पारिवारिक और दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। वरिष्ठ समाजसेवी नारायण डिगवानी ने देशभर से आए उत्पादक प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उनके उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की उन्होंने कहा कि इस आयोजन से स्थानीय लोगों को विभिन्न राज्यों की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प से परिचित होने का अवसर मिलेगा। मेले में राजस्थान के जयपुर, उत्तर प्रदेश के वाराणसी, लखनऊ और मेरठ, हरियाणा के पानीपत, गुजरात तथा कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध वस्त्र और हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं पहली बार रीवा के नागरिकों को एक ही स्थान पर देशभर की विविध वस्त्र परंपराओं और डिजाइन की व्यापक श्रृंखला देखने और खरीदने का अवसर प्राप्त हुआ है।

दिन में बंद रात के अंधेरे में चालू खेल? कई पेट्रोल पंपों से डीजल लेकर 200 लीटर की सीमा पार कर रही KCC कंपनी पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में रतहरा से चोरहटा तक चल रहे सड़क निर्माण कार्य के बीच चष्टष्ट कंपनी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहां शासन ने पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता बनाए रखने और संभावित ईंधन संकट से निपटने के लिए प्रति वाहन 200 लीटर डीजल की सीमा निर्धारित की है वहीं चष्टष्ट कंपनी कथित रूप से कई पेट्रोल पंपों से डीजल लेकर प्रतिदिन हजारों लीटर ईंधन जुटा रही है।

क्षेत्र में चर्चा है कि दिन के उजाले में नियमों और सीमाओं की बात की जाती है लेकिन रात के अंधेरे में डीजल सप्लाई का अलग ही खेल चलता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कंपनी के टैंकर विभिन्न पेट्रोल पंपों से ईंधन लेकर अपने स्टॉक को भर रहे हैं लोगों का कहना है कि यदि एक वाहन को 200 लीटर तक ही डीजल दिए जाने का प्रावधान है तो फिर 3000 लीटर या उससे अधिक डीजल की व्यवस्था आखिर कैसे हो रही है?

हाल ही में सामने आई तस्वीरों में जियो पेट्रोल पंप पर KCC से जुड़े बताए जा रहे टैंकर को डीजल भरवाते हुए देखा गया। इससे पहले भी स्थानीय लोगों द्वारा आरोप लगाए जाते रहे हैं कि कंपनी के वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर ईंधन उपलब्ध कराया जाता है जबकि आम जनता को लाइन में लगकर इंतजार करना पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि शासन का आदेश सभी के लिए समान है तो फिर KCC कंपनी को कथित तौर पर इतनी बड़ी मात्रा में डीजल किस आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है? क्या कंपनी को कोई विशेष अनुमति प्राप्त है? यदि हां तो उसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही? और यदि नहीं, तो फिर नियमों की निगरानी करने वाले विभाग क्या कर रहे हैं? क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि कंपनी एक ही पंप पर निर्भर न रहकर कई पेट्रोल पंपों से ईंधन लेकर निर्धारित सीमा को व्यवहारिक रूप से पार कर रही है। यही वजह है कि अब लोगों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि आखिर KCC कंपनी किसके संरक्षण में काम कर रही है कि बार-बार शिकायतों और चर्चाओं के बावजूद जांच की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं देता स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विकास कार्यों के लिए ईंधन की आवश्यकता स्वाभाविक है, लेकिन यदि इसके लिए शासन के निर्देशों की अनदेखी की जा रही है तो यह गंभीर विषय है। लोगों ने जिला प्रशासन, खाद्य विभाग, परिवहन विभाग और पेट्रोलियम कंपनियों से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

एमएसएमई मंत्रालय एवं विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के तहत 3 दिवसीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय एवं विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने तथा उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय कम्पोजिट कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है यह कार्यशाला 23 जून से 25 जून 2026 तक आयोजित होगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होटल मधुरम, डीपी कॉम्प्लेक्स, सीधी में संपन्न होगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, तकनीकी सहायता एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यशाला के दौरान उद्यमियों की सुविधा के लिए विशेष हेल्प डेस्क एवं कियोस्क की व्यवस्था की जाएगी। इसके माध्यम से उद्यम पंजीकरण, जेडईडी (ED) प्रमाणीकरण, टीआरईडीएस (TReDS), ओएनडीसी (ONDC) ऑनबोर्डिंग, ऑनलाइन विवाद समाधान सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित परामर्श और ऑन-द-स्पॉट सहायता प्रदान की जाएगी। आयोजन में विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े एमएसएमई इकाइयों, स्टार्टअप, युवा उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों, शिल्पकारों, उत्पादक समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति उद्यमियों, निर्यात उन्मुख इकाइयों तथा जिले के प्रमुख ओडीओपी से जुड़े उद्यमियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना तथा उनके व्यवसाय को विस्तार देने में सहयोग करना है।

आवारा पशु और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

संपादकीय

आज हमारे देश के छोटे-बड़े शहरों और कस्बों की गलियों, मुख्य सड़कों तथा व्यस्त बाजारों में आवारा पशुओं, विशेषकर गोवंश की बढ़ती संख्या एक अत्यंत गंभीर, सामाजिक और संवेदनशील समस्या बन चुकी है। हर तरफ नजर दौड़ाने पर सड़कों के बीचों-बीच या किनारों पर बैठे पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। इस विकराल होती समस्या के पीछे पूरी तरह से मानवीय स्वार्थ, संवेदनहीनता और जिम्मेदारी से भागने की प्रवृत्ति काम कर रही है। लोग गायों को तब तक ही अपने घरों या डेयरियों में रखते हैं जब तक वे दूध देती हैं और आर्थिक रूप से फायदेमंद होती हैं। जैसे ही वे अनुत्पादक या बूढ़ी हो जाती हैं, उन्हें बेरहमी से खुले में सड़कों पर लावारिस भटकने के लिए छोड़ दिया जाता है। विडंबना यह है कि लोग मामूली चारा शुल्क देने या दान-पुण्य की रसीद कटवाने के डर से इन पशुओं को व्यवस्थित गौशालाओं में भेजने से भी कतराते हैं, जबकि गौशालाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता होती है। हालांकि समाज में आज भी कई भामाशाह, समाजसेवी संगठन और बड़े लोग खुले दिल से दान करते हैं, चारे और हरे की व्यवस्था करते हैं, लेकिन सड़कों पर बढ़ती पशुओं की तादाद के आगे यह प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।

इस लापरवाही का खामियाजा आज इंसान और बेजुबान पशु दोनों को भुगतना पड़ रहा है। सड़कों पर यत्र-तत्र घूमते और आपस में लड़ते ये भारी-भरकम पशु आए दिन भयानक हादसों का सबब बनते हैं। इनकी चपेट में आने से सबसे ज्यादा नुकसान राह चलते मासूम बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को होता है। कई लोग इन दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से अपाहिज हो जाते हैं, तो कई मामलों में असमय ही अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। दूसरी ओर, खुद इन मूक पशुओं की स्थिति भी अत्यंत नारकीय और क्रूर हो चुकी है। भूख से व्याकुल होकर ये दिन भर सड़कों और गलियों में कचरे के ढेरों में मुंह मारते रहते हैं। इस प्रक्रिया में भोजन की गंध के कारण वे भारी मात्रा में प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य घातक कचरा निगल जाते हैं। यह प्लास्टिक उनके पेट में जमा होकर एक जानलेवा गांठ बन जाता है, जिससे अंततः वे तड़प-तड़प कर असमय ही मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, रात के अंधेरे में या तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से ये पशु लहूलुहान होकर सड़कों पर तड़पते नजर आते हैं, जो हमारी मानवीय संवेदनाओं पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न है। इस बहुआयामी संकट का समाधान किसी एक सरकारी विभाग या अकेले प्रशासन के बूते की बात नहीं है। इसके लिए नगर पालिका, स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवी संगठनों और आम जनता को एकजुट होकर एक ठोस कार्ययोजना के तहत आगे आना होगा। नगर पालिका को सड़कों से आवारा पशुओं को सुरक्षित रेस्क्यू करने का नियमित अभियान चलाना चाहिए, साथ ही पशुओं की टैगिंग अनिवार्य कर उन पशु मालिकों की पहचान करनी चाहिए जो दूध निकालने के बाद उन्हें सड़क पर छोड़ देते हैं, और उन पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए।

पप्पू से जननायक तक: राहुल गांधी का नया सियासी अवतार

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में शायद ही किसी नेता ने छवि के मोर्चे पर इतने उतार-चढ़ाव देखे होंगे जितने राहुल गांधी ने देखे हैं। एक दौर था जब विरोधियों ने उन्हें पप्पू कहकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की हदें पार कर दी थीं। लेकिन आज, जब वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर हैं, तो उनकी राजनीति में एक अलग परिपक्वता दिखाई देती है। हाल ही में राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ उनका छात्रों की गूंज आंदोलन और पेपर लीक के खिलाफ उनका आक्रामक रुख यह साफ करता है कि राहुल गांधी अब सिर्फ विरासत की राजनीति नहीं कर रहे, बल्कि सड़क और संसद दोनों जगह जनता की नब्ज पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस राजनीतिक सफर को दो हिस्सों में देखा जा सकता है - पहला भारत जोड़ो यात्रा से पहले का और दूसरा उसके बाद का। कन्याकुमारी से कश्मीर और फिर मणिपुर से मुंबई तक की यात्राओं ने राहुल गांधी की पूरी छवि को बदल कर रख दिया। इन यात्राओं ने उन्हें बंद कमरों की वातानुकूलित राजनीति से निकालकर तपती धूप और आम लोगों के बीच ला खड़ा किया। जब वे ट्रक ड्राइवरों, कुली भाइयों, मैकेनिकों और आम बेरोजगार युवाओं से गले मिलते दिखे, तो जनता को उनमें एक ऐसा नेता नजर आने लगा जो उनकी बात सुनने के लिए तैयार था। यही कारण है कि आज मीडिया और जनता उन्हें एक गंभीर राजनेता के रूप में देखने लगी है।

आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली ने छात्रों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। ऐसे समय में राहुल गांधी ने सीधे छात्रों के बीच जाकर उनकी आवाज को उठाया है। जब सरकार ने तकनीकी कारणों से टेलीग्राम जैसी ऐप पर पाबंदी लगाने की कोशिश की, तो राहुल ने खुलकर कहा कि हमला पेपर लीक माफिया पर होना चाहिए, छात्रों के प्लेटफॉर्म पर नहीं। कोटा की गलियों से शुरू हुई छात्रों की गूंज ने यह साबित किया है कि राहुल अब युवाओं के मुद्दों को अपनी राजनीति का मुख्य हथियार बना चुके हैं। संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के तेवर बदले हुए हैं। वे अब सिर्फ सरकार के फैसलों का विरोध नहीं करते, बल्कि आंकड़ों और तर्कों के साथ सरकार को घेरते हैं, कई बार तो पूरी सरकार के मंत्री, प्रधानमंत्री अकेले राहुल के सवालों के जवाब नहीं दे पाते। ईवीएम की विश्वसनीयता से लेकर देश के आर्थिक फैसलों और कॉरपोरेट एकाधिकार पर उनके सीधे सवाल सरकार को असहज करते हैं। इंडिया गठबंधन को एक साथ बांधकर रखना और विपक्ष की बिखरती हुई ताकतों को एक मंच पर लाना और यह कहना की मैं शिव की तरह सारा ज़हर पी लूँगा, लेकिन गठबंधन को टूटने नहीं दूँगा.... अब तो लगभग -लगभग सारे के सारे नेता राहुल को इंडिया ब्लॉक में मान ही चुके हैं.. यह उनकी एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है।

आज के दौर में राहुल गांधी को ना तो कोई खारिज कर सकता है और ना ही उनकी अनदेखी कर सकता है। वे केवल एक बड़े राजनीतिक परिवार के वारिस नहीं हैं, बल्कि वे एक ऐसे नेता के रूप में उभर चुके हैं जो देश के युवाओं, दलितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज बनने का दम रखता है। वे केवल बड़े मंचों से भाषण नहीं दे रहे, बल्कि देश के वंचितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के साथ खड़े होकर उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का एक मजबूत और विश्वसनीय चेहरा बन चुके हैं। आर्थिक मोर्चे पर महंगाई, निजीकरण और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सीधे आम आदमी की थाली और जेब से जोड़कर उन्होंने अपनी राजनीति को हवाई दावों से दूर, जमीन पर लाकर खड़ा किया है। छात्रों की गूंज जैसे आंदोलनों से उन्होंने दिखा दिया है कि वे भविष्य की राजनीति के लिए तैयार हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर सुदूर गांवों के युवाओं के बीच शुरू हुई इस गूंज ने देश की युवा चेतना को यह भरोसा दिलाया है कि उनकी लड़ाई का एक झंडाबरदार दिल्ली में मौजूद है। अब राहुल गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस अभूतपूर्व जन-समर्थन, सहानुभूति और नैतिक बढ़त को एक मुकम्मल चुनावी वोट बैंक में तब्दील करने की है। यदि कांग्रेस की यह नई सांगठनिक मशीनरी राज्यों के आगामी चुनावों में इस नई ऊर्जा को जीत में बदल पाई, तो राहुल गांधी का यह मूल्यांकन भारतीय राजनीति के एक नए अध्याय की शुरुआत साबित होगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026- 'स्वस्थ आयु के लिए योग ',योग 365 अभियान ', 21 दिन 21 मिनट' अभियान का आगाज़

किशन सनमुखदास भावनानी

योग किसी धर्म, भाषा, संस्कृति या सीमा में बंधा नहीं है, यह मानवता के लिए भारत का वह अमूल्य उपहार है जिसने करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य, संतुलन और आत्मिक शांति का मार्ग दिखाया है।

12वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ और सुखी जीवन के वैश्विक संकल्प के रूप में स्वीकार करने का प्रण करने का शुभ अवसर है

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 21 जून 2026 को पूरा विश्व 12वें अंतरराष्ट्रीय योगदिवस का उत्सव मना रहा है।आज योग केवल भारत की प्राचीन परंपरा नहीं, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन का स्वरूप बन चुका है।संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में मान्यता मिलने के बाद योग ने जिस गति से विश्वभर में अपनी पहचान बनाई है,वह मानव इतिहास की सबसे सफल सांस्कृतिक और स्वास्थ्य यात्राओं में से एक मानी जा सकती है। आज दुनियाँ के लगभग हर देश में योग का अभ्यास किया जा रहा है और करोड़ों लोग इसे स्वस्थ जीवन शैली का आधार मान रहे हैं।इस वर्ष 2026 का मुख्य विषय 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखा गया है। यह विषय केवल लंबी आयु प्राप्त करने की बात नहीं करता, बल्कि इस बात पर बल देता है कि व्यक्ति बढ़ती उम्र में भी सक्रिय, आत्मनिर्भर, ऊर्जावान और मानसिक रूप से स्वस्थ बना रहे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र दावे के साथ कह सकता हूं क़ि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी अब यह स्वीकार कर रहा है कि नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को संतुलित करने,तनाव कम करने, हृदय स्वास्थ्य बेहतर बनाने तथा मानसिक स्फूर्ति बनाए रखने में अत्यंत सहायक हैं।वर्ष 2026 का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं। सिटी ऑफ जॉय के नाम से प्रसिद्ध कोलकाता इस अवसर पर योग की वैश्विक राजधानी जैसा स्वरूप धारण कर चुका है।लाखों लोगों की भागीदारी, विशाल सामूहिक योगाभ्यास, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और आधुनिक तकनीक के समावेश ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया है। साथियों, इस वर्ष योग दिवस का सबसे बड़ा आकर्षण योग संगम है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 11 सफल वर्षों के बाद 12वें संस्करण में देशभर के हजारों स्थानों पर एक साथ कॉमन योगा प्रोटोकॉल के आधार पर सामूहिक योग प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं।यह केवल भारत तक सीमित नहीं है,बल्कि दुनियाँ के अनेक देशों में भी समान समय पर योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।यह दृश्य वास्तव में एक पृथ्वी,एक स्वास्थ्य,एक मानवता कीभावना को साकार करता है।2026 के आयोजन की एक और विशेषता डिजिटल भागीदारी है। मायभारत प्लेटफॉर्म और योग संगम पोर्टल के माध्यम से लाखों नागरिकों ने पंजीकरण कर इस वैश्विक उत्सव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की है। डिजिटल तकनीक ने योग को गांवों से महानगरों तक और भारत से विश्व के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह योग दिवस तकनीक और परंपरा के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। साथियों, इस बार विशेष रूप से बुजुर्गों और अति बुजुर्गों के लिए योग को केंद्र में रखा गया है। आयुष मंत्रालय द्वारा ऐसे योगासन, प्राणायाम और ध्यान प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है जो जोड़ों के स्वास्थ्य, संतुलन लचीलेपन,श्वसन क्षमता और मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं। आज जब दुनियाँ तेजी से वृद्धावस्था की ओर बढ़ रही है, तब स्वस्थ आयु के लिए योग का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो गया है। बढ़ती उम्र को बीमारी का पर्याय मानने के बजाय सक्रिय और सम्मानजनक जीवन जीने की प्रेरणा योग प्रदान करता है।

स्वस्थ आयु के लिए योग आवश्यक

प्रोफेसर रवीन्द्रनाथ तिवारी

योग भारतीय सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपरा की एक अमूल्य धरोहर है, जो आज संपूर्ण विश्व में स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन के प्रभावी साधन के रूप में स्वीकार की जा रही है। योग का मूल अर्थ 'जुड़ना' तथा 'समाधि' है। यह व्यक्ति को स्वयं से जोड़कर शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने का मार्ग प्रदान करता है। योग केवल व्यायाम या आसनों का समूह नहीं है, अपितु यह एक समग्र जीवन-पद्धति है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करती है।वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग 'इस तथ्य को रेखांकित करती है कि योग जीवन के प्रत्येक चरण में स्वास्थ्य, सक्रियता और मानसिक प्रसन्नता बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। बढ़ती आयु के साथ होने वाली शारीरिक और मानसिक चुनौतियों, जैसे तनाव, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अनिद्रा तथा स्मृति संबंधी समस्याओं को नियंत्रित करने में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित योगाभ्यास शरीर की लचीलापन, संतुलन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति स्वस्थ एवं गरिमापूर्ण जीवन जी सकता है।

भारत में योग की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। इसकी जड़ें वैदिक साहित्य, उपनिषदों और महाभारत जैसे ग्रंथों में देखी जा सकती हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है- योगः कर्मसु कौशलम, अर्थात् योग केमाध्यम से व्यक्ति अपने कर्मों में दक्षता प्राप्त करता है। यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि योग केवल ध्यान या आसनों तक सीमित नहीं है, अपितु यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कुशलता और संतुलन लाने का विज्ञान है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र योग का दार्शनिक और वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करता है। इन सूत्रों में पतंजलि ने योग को चित्त की वृत्तियों के निरोध के रूप में परिभाषित किया है- योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः। पतंजलि ने योग के आठ अंगों का उल्लेख किया है यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। इन अंगों के माध्यम से व्यक्ति आत्मिक शुद्धि, मानसिक स्थिरता और अंततः मोक्ष या कैवल्य की प्राप्ति करता है। आज के समय में जब विश्व बढ़ती जनसंख्या, अस्वस्थ जीवनशैली, मानसिक तनाव और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, योग एक समग्र समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है। योग न केवल रोगों की रोकथाम में सहायक है, अपितु यह स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके माध्यम से व्यक्ति प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त करता है।योग अब केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, अपितु यह वैश्विक स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का माध्यम बन चुका है। 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है, जो उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है और ऊर्जा के सबसे बड़े स्त्रोत सूर्य से सबसे अधिक प्रकाश प्राप्त होता है। यह प्रतीकात्मक रूप से भी योग के ऊर्जावान और प्रबुद्ध स्वरूप को दर्शाता है। योग अब वैश्विक मंच पर वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली के साथ सहायक रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी योग को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्रभावी मानता है। योग केवलव्यक्तिगत साधना नहीं अपितु सामाजिक, पर्यावरणीय और वैश्विक कल्याण का भी माध्यम बन चुका है। यह मनुष्य को प्रकृति से जोड़ता है, जीवन में अनुशासन लाता है, आंतरिक संतुलन स्थापित करता है और जीवन को एक समग्र दृष्टिकोण से देखने की क्षमता प्रदान करता है। आधुनिक भारत में स्वामी विवेकानंद को योग का प्रमुख भाष्यकार माना जाता है। उन्होंने राजयोग, कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग के माध्यम से युवाओं में योग और अध्यात्म के प्रति जागरूकता फैलायी। योग जीवन जीने की कला, विज्ञान और बंधनों से मुक्ति का मार्ग है। भारत की इस प्राचीन धरोहर को विश्वभर में व्यापक स्वीकार्यता मिली है, जिससे राष्ट्र का गौरव भी बढ़ा है। बदलती जीवनशैली, तनाव और बीमारियों से निपटने में योग प्रभावशाली साधन सिद्ध हुआ है। स्वास्थ्य रोगमुक्ति के साथ-साथ ऊर्जा, आनंद और प्रेम से भरपूर जीवन है। आधुनिक अनुसंधानों में यह सिद्ध हुआ है कि योग नियमित रूप से करने से तनाव, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, अवसाद, मोटापा, माइग्रेन, अस्थमा, नींद संबंधी विकारों सहित कई रोगोंमें लाभ होता है। आज योग संपूर्ण स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन का विश्वसनीय मार्ग बन चुका है। योग मानव के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास का सर्वोत्तम साधन है। शास्त्रों के अनुसार, अनेक जीव कई लाखों योनियों में भटकने के बाद प्राप्त मानव जीवन तभी सार्थक होता है जब हम योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। योग भारतीय सनातन संस्कृति के उद्देश्य सर्वे भवन्तु सुखिनः को साकार करने का माध्यम है। इससे सभी के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण की प्राप्ति संभव है। विश्व की अनेकसमस्याओं का समाधान योग में निहित है। यह मानवता के लिए भारत की अनुपम देन है। योग को अपनाकर हम स्वस्थ, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जी सकते हैं। योग न केवल भारत की गौरवशाली परंपरा है, अपितु यह आज की वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप एक प्रभावी और व्यवहारिक जीवन-पद्धति भी है। 'स्वस्थ आयु के लिए योग' की संकल्पना एक वैश्विक संदेश है कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ, सक्रिय, संतुलित और दीर्घायु जीवन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। योग मानवता को स्वस्थ भविष्य की दिशा में ले जाने वाला एक सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति, समाज और विश्व के समग्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

प्राचीन सनातन की अनुपम देन है योग, आत्मा से परमात्मा के मिलन का सेतु

संस्कृत में योग शब्द की उत्पत्ति धातु युज् से हुई है, जिसका अर्थ है जोड़ना, एकत्र करना या संयोजन। परंतु यह केवल बाह्य तत्वों को जोड़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की एक आध्यात्मिक यात्रा है।ऋग्वेद, जो विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ है। यह ग्रंथ योग के बीज रूप में सूक्ष्म संकेत देता है - जहाँ ध्यान, एकाग्रता, और ब्रह्मचिंतन की बात की गई है।कठोपनिषद में योग को उस साधन के रूप में वर्णित किया गया है जिसके द्वारा जीवात्मा आत्मबोध और मोक्ष की ओर अग्रसर होती है:- तं योगमिति मन्यंते स्थिरमिन्द्रियधारणम् । '

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

योग प्रकृति का वह वरदान है, जिसने अपना लिया इसे वह महान है।।..योग शब्द का उच्चारण होते ही हमारे मन में आसनों, प्राणायाम और ध्यान की छवि उभरती है, परंतु योग की वास्तविकता इससे कहीं अधिक गहरी, व्यापक और आध्यात्मिक है। योग न केवल शरीर और मन का संयोजन है, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की प्रक्रिया है।

इसके प्राचीनतम गूढ़ अर्थों की खोज हमें वैदिक और उपनिषदिक ग्रंथों में मिलती है, जहाँ योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि ब्रह्म से एकत्व का साधन है। संस्कृत में योग शब्द की उत्पत्ति धातु युज् से हुई है, जिसका अर्थ है जोड़ना, एकत्र करना या संयोजन। परंतु यह केवल बाह्य तत्वों को जोड़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की एक आध्यात्मिक यात्रा है।ऋग्वेद, जो विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ है। यह ग्रंथ योग के बीज रूप में सूक्ष्म संकेत देता है - जहाँ ध्यान, एकाग्रता, और ब्रह्मचिंतन की बात की गई है।कठोपनिषद में योग को उस साधन के रूप में वर्णित किया गया है जिसके द्वारा जीवात्मा आत्मबोध और मोक्ष की ओर अग्रसर होती है:-

तं योगमिति मन्यंते स्थिरमिन्द्रियधारणम् । '

अर्थात, इंद्रियों की स्थिरता को ही योग कहा गया है। वही पतंजलि योगसूत्र में गूढ़ परिभाषा में महर्षि पतंजलि ने योग के रहस्य को सूत्र रूप में प्रस्तुत किया है -

योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः

अर्थात योग वह है जिसमें चित्त की वृत्तियों का निरोध हो जाता है।प्राचीन ग्रंथों में योग केवल आसन या ध्यान नहीं था, बल्कि जीवन की समग्रता में एक दिव्य अनुशासन था। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग और ध्यानयोग जैसे मार्ग बताए।

योगः कर्मसु कौशलम्- इसका तात्पर्य यह है कि योग केवल ध्यान में बैठना नहीं, बल्कि जीवन के हर कर्म में संतुलन, विवेक और साक्षीभाव को धारण करना भी योग है।योग के प्राचीनतम गूढ़ अर्थ को केवल बौद्धिक रूप से समझना पर्याप्त नहीं इसे साधना अनुशासन और आत्मानुभूति द्वारा ही योग के प्राचीनतम गूढ़ अर्थ को केवल बौद्धिक रूप से समझना पर्याप्त नहीं, इसे साधना, अनुशासन और आत्मानुभूति द्वारा ही जाना जा सकता है। जब साधक अहंकार, वासनाएँ, और भौतिक इच्छाओं को पार कर चित्त की शुद्धता को प्राप्त करता है, तभी वह योग के उस शुद्धतम अनुभव को प्राप्त करता है - जहाँ अहम् ब्रह्मास्मि की अनुभूति होती है। योग कोई सीमित प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मा और ब्रह्म के बीच की वह सेतु है जो जीवन को अज्ञानता से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाता है। इसके प्राचीनतम गूढ़ अर्थ को समझना केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि साधना, वैराग्य और आत्मनिष्ठा की मांग करता है। योग कोई सीमित प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मा और ब्रह्म के बीच की वह सेतु है जो जीवन को अज्ञानता से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाता है। इसके प्राचीनतम गूढ़ अर्थ को समझना केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि साधना, वैराग्य और आत्मनिष्ठा की मांग करता है।अतः, योग को केवल शरीर की चपलता तक सीमित न करें वह चेतना की गहराई में उतरने की एक यात्रा है, आत्मा के विस्मृति से स्मृति की ओर लौटने का मार्ग है।

योग के प्रथम गुरु (प्रथम आदि गुरु) के विषय में जब हम गूढ़ और प्राचीन दृष्टिकोण से विचार करते हैं, तो हमें वेदों, उपनिषदों, और तांत्रिक परंपराओं में उसका मूल स्वरूप मिलता है। योग का प्रारंभ किसी एक समय, स्थान या व्यक्ति से नहीं हुआ, यह सनातन ज्ञान है, जो स्वयं सृष्टि के साथ प्रकट हुआ। फिर भी, योग परंपरा में एक प्रथम गुरु के रूप में कुछ महान आत्माओं का उल्लेख मिलता है।

योग परंपरा के अनुसार, भगवान शिव को आदि योगी और आदि गुरु कहा जाता है। यह विश्वास हजारों वर्षों पुराना है और विशेषकर नाथ, शैव और तांत्रिक परंपराओं में गहराई से रचा-बसा है।पुरातन ग्रंथों और योगिक परंपरा में वर्णन मिलता है कि जब शिव ने पहली बार ब्रह्मांडीय चेतना में समाधि की अवस्था को प्राप्त किया, तो वे लाखों वर्षों तक मौन साधना में लीन रहे।उनके ध्यान की स्थिति इतनी गहन थी कि सृष्टि की शक्तियाँ तक थम गई।कालांतर में सात महान ऋषि (जिन्हें सप्तर्षि कहा जाता है) शिव के समीप पहुँचे और ज्ञान प्राप्त करने की प्रार्थना की।बहुत समय बाद, शिव ने उन्हें अपना पहला शिष्य स्वीकार किया और योग के सात प्रमुख मार्गों की शिक्षा दी - जैसे हठ योग, राज योग, ज्ञान योग, भक्ति योग आदि।

शिव को योग का आदिकालीन स्रोत माना जाता है।आदि योगी और आदि गुरु।शिव केवल देवता नहीं, बल्कि योगिक चेतना का प्रतीक हैं।उन्हें पंचमुख (पाँच मुखों) वाला योग गुरु कहा जाता है, जो ज्ञान के पाँच स्तरों का प्रतिनिधित्व करते हैं।शिव की मुद्रा, विशेषकर योग मुद्रा (पद्मासन में ध्यानमग्न अवस्था), आज भी योग की आदर्श स्थिति मानी जाती है।

तांडव नृत्य को भी एक प्रकार की यौगिक ऊर्जा का रूप माना गया है - जिसमें सृजन, संरक्षण और संहार तीनों की लय होती है।हालाँकि शिव को योग का प्रथम गुरु माना जाता है, किंतु महर्षि पतंजलि को योग दर्शन का व्यावहारिक एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने वाला महान ऋषि माना जाता है। उन्होंने पतंजलि योगसूत्र के माध्यम से योग को अष्टांग योग के रूप में परिभाषित किया। अतःशिव हैं योग के आदि स्रोत और गुरु। तो वहींपतंजलि हैं योग के वैज्ञानिक प्रणालीकरण के अग्रदूत।योग के प्रथम गुरु को लेकर जब हम गूढ़ और परंपरागत अर्थों में विचार करते हैं, तो स्पष्ट रूप से शिव ही योग के आदिगुरु के रूप में सामने आते हैं।

भाजपा नेता हत्याकांड के मास्टरमाइंड समेत 4 आरोपियों ने किया सरेंडर, 9वां आरोपी भी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में रेत तस्करी विवाद को लेकर हुए बहुचर्चित हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है मामले के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड मनोज त्रिपाठी समेत चार आरोपियों ने शनिवार को मनेंद्रगढ़ थाने में आत्मसमर्पण कर दिया वहीं फरार चल रहे 9वें नामजद आरोपी गौरव त्रिपाठी को पुलिस ने खड़गवां क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के साथ ही मामले में नामजद सभी 9 आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो गई है। पुलिस के अनुसार सरेंडर करने वालों में मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी के साथ निशांत त्रिपाठी, अमन और आशुतोष त्रिपाठी शामिल हैं इन सभी से पुलिस पूछताछ कर रही है और पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है इससे पहले इस केस में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था यह पूरा मामला 16 जून की देर रात का है जब कोरिया जिले के नौगई गांव में भाजपा नेता भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया गया था। आरोपियों ने कथित रूप से फॉर्च्यूनर वाहन के आगे-पीछे हाईवा खड़ा कर रास्ता रोका और फिर वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी इस दर्दनाक घटना में भाजपा नेता भरत सिंह की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि उनके चचेरे भाई और शिक्षक नागेंद्र सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई एक अन्य घायल ने भी बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या तीन हो गई। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया था। पुलिस ने मामले में 9 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी और लगातार फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही थी पुलिस ने उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश तक टीम भेजकर आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार लगातार दबाव और छापेमारी के चलते आरोपियों ने सरेंडर करने का फैसला लिया।

मनेंद्रगढ़ एसपी रत्ना सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो चुकी है और आगे की विवेचना कोरिया पुलिस द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और हर पहलू की गहन जांच जारी है।

रेत तस्करी और वसूली विवाद से जुड़ा मामला : जांच में सामने आया है कि यह विवाद रेत के अवैध खनन और वसूली को लेकर लंबे समय से चल रहा था।

चिरमी रेत घाट के संचालन और प्रति हाईवा वसूली को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ता गया था आरोप है कि एक पक्ष द्वारा प्रति हाईवा अवैध शुल्क वसूला जा रहा था जबकि दूसरे पक्ष द्वारा इसका विरोध किया जा रहा था इसके अलावा राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी दोनों परिवारों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी बताया जा रहा है कि एक ओर भाजपा नेता लल्ला सिंह और उनका परिवार प्रभावशाली माना जाता थ वहीं दूसरी ओर त्रिपाठी परिवार रेत परिवहन और सप्लाई से जुड़ा हुआ था। विवाद कई महीनों से बढ़ता जा रहा था, जो अंततः हिंसक झड़प और हत्याकांड में बदल गया।

घटना के बाद माहौल तनावपूर्ण: घटना के बाद क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और स्थिति को नियंत्रित किया गया। वहीं विभिन्न संगठनों ने विरोध प्रदर्शन और जांच की मांग भी की थी। पुलिस ने फिलहाल पूरे मामले में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी कर ली है और अब आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है **भाजपा नेता हत्याकांड :** मास्टरमाइंड मनोज त्रिपाठी समेत 4 आरोपियों ने किया सरेंडर, सभी 9 आरोपी गिरफ्तार।

शासकीय भूमि पर बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित करने पर कार्रवाई, पथराव के बाद दो लोग हिरासत मे

मीडिया ऑडीटर, कोलारस (निप्र)। तहसील क्षेत्र के ग्राम अनंतपुर में शासकीय भूमि पर बिना प्रशासनिक अनुमति के डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने के मामले ने शुक्रवार को विवाद का रूप ले लिया प्रशासन द्वारा प्रतिमा हटाने की कार्रवाई के दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई और कुछ लोगों द्वारा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर पथराव किए जाने की घटना सामने आई हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अनंतपुर स्थित सर्वे नंबर 382 की लगभग डेढ़ एकड़ शासकीय भूमि पर गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात कुछ लोगों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी गई थी। सुबह ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना प्रशासन को दी गई, जिसके बाद राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूमि शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज है और पूर्व में भी इस स्थान पर अतिक्रमण के प्रयास किए जाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने की जानकारी मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रतिमा को हटाकर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। दोपहर करीब दो बजे शुरू हुई कार्रवाई के दौरान भारी बारिश के बीच पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए कार्यवाही पूरी की इस दौरान एडीएम दिनेश शुक्ला, एसडीएम अनूप श्रीवास्तव, तहसीलदार प्रदीप भार्गव सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रतिमा हटाए जाने के बाद कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और कथित रूप से पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों की ओर पथराव किया हालांकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया ।

बाबरी घाट से नदी मार्ग द्वारा रेत परिवहन जारी, ग्रामीणों ने जताई चिंता

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत माँ नर्मदा तट स्थित बाबरी घाट पर नदी मार्ग से बड़े पैमाने पर रेत परिवहन किए जाने का मामला सामने आया है स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पनडुब्बियों और नावों के माध्यम से लगातार रेत सीहोर जिले की ओर ले जाई जा रही है इस गतिविधि के कारण घाट की प्राकृतिक संरचना प्रभावित हो रही है और स्नान करने आने वाले लोगों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार बाबरी घाट क्षेत्र पहले स्नान और धार्मिक गतिविधियों के लिए सुरक्षित माना जाता था बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग यहाँ नर्मदा स्नान के लिए पहुंचते हैं लेकिन पिछले कुछ समय से लगातार रेत निकाले जाने के कारण नदी के तल में गहरे गड्ढे बन गए हैं इससे घाट पर स्नान करने वालों के लिए खतरा बढ़ गया है स्थानीय निवासी निमिष यदुवंशी ने बताया कि रेत के अत्यधिक उत्खनन और परिवहन से नदी की गहराई असमान हो गई है कई स्थानों पर अचानक गहराई बढ़ जाने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है उनका कहना है कि प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि खनिज विभाग द्वारा समय-समय पर अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की जाती है कई बार वाहनों और नावों पर कार्रवाई की खबरें भी सामने आती हैं लेकिन कुछ समय बाद फिर से रेत परिवहन का कार्य शुरू हो जाता है।

खबर में नाम प्रकाशित न होने के विवाद ने लिया हिंसक रूप, पत्रकार पर हमले का आरोप

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम(निप्र)। इटारसी में एक समाचार को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। एक पत्रकार ने किसान संगठन के पदाधिकारी पर घर बुलाकर क्रिकेट बैट से हमला करने का आरोप लगाया है घटना में पत्रकार घायल हो गया जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं दूसरे पक्ष ने भी मारपीट के आरोप लगाए हैं पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार पत्रकार राकेश पटेल एक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत एक समाचार में नाम और फोटो प्रकाशित नहीं होने को लेकर हुई इस संबंध में सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया शुक्रवार सुबह दोनों पक्षों के बीच फोन पर बातचीत हुई। पत्रकार का आरोप है कि चर्चा के लिए बुलाए जाने पर जब वह संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचे तो वहां उनके साथ गाली-गलौज की गई विरोध करने पर उन्हें पकड़कर क्रिकेट बैट से सिर, हाथ, कमर, जांघ और सीने पर हमला किया गया उन्होंने जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया है। घायल पत्रकार को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान सिर में अंदरूनी चोट होने की जानकारी सामने आई है घटना के बाद पत्रकार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि पत्रकार अक्सर खबरों में नाम और फोटो प्रकाशित नहीं करते थे जिससे नाराजगी थी उनका आरोप है कि पत्रकार स्वयं उनके घर पहुंचे और वहां विवाद के दौरान मारपीट की उन्होंने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इटारसी थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर काउंटर केस दर्ज कर लिया गया है पुलिस सभी तथ्यों और साक्ष्यों की जांच कर रही है।

कलेक्टर के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी का प्रयास, साइबर सेल ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में साइबर ठगों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की पहचान का दुरुपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बनाने का मामला सामने आया है शिवपुरी कलेक्टर अर्पित वर्मा के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को सस्ते दामों पर घरेलू और इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने का झांसा दिया जा रहा है मामले की शिकायत साइबर सेल में दर्ज कराई गई है जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत क्षेत्र के लालगढ़ गांव निवासी प्रमोद रावत को अर्पित वर्मा आईएएस नाम से संचालित एक फेसबुक प्रोफाइल से मैसेंजर पर संदेश प्राप्त हुआ शुरुआती बातचीत के दौरान उनसे मोबाइल नंबर मांगा गया इसके बाद एक अन्य संदेश में बताया गया कि कलेक्टर का एक परिचित जो सीआरपीएफ में पदस्थ है उनसे संपर्क करेगा कुछ समय बाद प्रमोद रावत को एक मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप संदेश प्राप्त हुआ संदेश भेजने वाले ने स्वयं को सीआरपीएफ अधिकारी बताते हुए दावा किया कि उसका तबादला हो गया है और वह अपने घरेलू सामान को कम कीमत पर बेचना चाहता है इसके साथ ही बेड, सोफा, फ्रिज, लैपटॉप और अन्य घरेलू वस्तुओं की तस्वीरें भी भेजी गईं ठगों ने दावा किया कि सामान केवल तीन महीने पुराना है और उस पर पांच वर्ष की गारंटी एवं वारंटी उपलब्ध है सभी सामान की कुल कीमत मात्र 90 हजार रुपए बताकर खरीदने का प्रस्ताव दिया गया। सूत्रों के अनुसार इसी प्रकार के संदेश जिले के अन्य लोगों को भी भेजे गए हैं और उनसे अग्रिम भुगतान की मांग की जा रही है बताया जा रहा है कि कलेक्टर अर्पित वर्मा के नाम से बनाई गई फर्जी फेसबुक आईडी हाल ही में तैयार की गई है इस प्रोफाइल से बड़ी संख्या में लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी गई है और करीब एक हजार लोग इससे जुड़े हुए बताए जा रहे हैं वहीं कलेक्टर की आधिकारिक सोशल मीडिया प्रोफाइल पर हजारों फॉलोअर्स मौजूद हैं मामले की जानकारी सामने आने के बाद प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। जिला जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका शर्मा ने बताया कि घटना की शिकायत साइबर सेल शाखा में दर्ज करा दी गई है पुलिस फर्जी प्रोफाइल संचालित करने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी अधिकारी या परिचित के नाम से प्राप्त संदिग्ध संदेशों पर विश्वास न करें और किसी भी प्रकार का भुगतान करने से पहले जानकारी की पुष्टि अवश्य करें।

एमपी के अमरनाथ नागद्वारी यात्रा की तैयारियां तेज, कलेक्टर-एसपी ने किया पैदल निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक आयोजनों में शामिल नागद्वारी यात्रा और नागपंचमी मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। सतपुड़ा की दुर्गम पहाड़ियों में स्थित नागद्वारी गुफा तक पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने नागद्वारी मार्ग का पैदल निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस वर्ष नागद्वारी यात्रा 7 अगस्त से प्रारंभ होकर नागपंचमी तक चलेगी। यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश सहित देश के

विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु नाग देवता के दर्शन के लिए नागद्वारी गुफा पहुंचेंगे हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आमद को देखते हुए प्रशासन पहले से ही आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुट गया है शुक्रवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने नागद्वारी मंदिर तक जाने वाले कठिन और पथरीले ट्रैकिंग मार्ग का पैदल भ्रमण किया निरीक्षण के दौरान जलगली, नागफनी, कालाझाड़, चिंतामन, चित्रशाला, स्वर्गद्वार, पश्चिमद्वार, नागद्वारी मंदिर और काजरी सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा किया गया अधिकारियों ने मार्ग की स्थिति, सुरक्षा इंतजाम और उपलब्ध सुविधाओं का गहन अवलोकन किया निरीक्षण के दौरान पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, संचार व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कलेक्टर मिश्रा ने ट्रैकिंग मार्गों के सुधार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जहां भी रास्ते क्षतिग्रस्त हैं वहां तत्काल मरम्मत कार्य शुरू किया जाए। साथ ही यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संकेतक बोर्ड लगाए जाएं और विश्राम स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

करोड़ का मुआवजा घोटाला, 14 FIR दर्ज; जांच में कई विभागों की भूमिका संदिग्ध

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सर्पदंश से हुई मौतों के नाम पर बड़े पैमाने पर मुआवजा घोटाले का मामला सामने आया है जांच में खुलासा हुआ है कि फर्जी आंकड़े दिखाकर लगभग 17.24 करोड़ रुपए का सरकारी मुआवजा वितरित किया गया। इस मामले में अब तक 14 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं जबकि कई संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पूरा मामला विधानसभा में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण से सामने आया। उन्होंने सदन में दावा किया था कि बिलासपुर जिले में सर्पदंश से 431 मौतें दर्ज की गईं, जबकि जशपुर जैसे आदिवासी बहुल और अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित जिले में केवल 96 मौतें दर्ज हुई हैं इस असमानता ने पूरे मामले को संदिग्ध बना दिया और उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए। जांच में सामने आया कि सर्पदंश से मौत दिखाकर सरकारी मुआवजा पाने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। नियमों के अनुसार सर्पदंश से मृत्यु पर चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है, जिसका लाभ उठाने के लिए कई मामलों में सामान्य मौत को भी सर्पदंश बताकर दर्ज कराया गया पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इस पूरे फर्जीवाड़े में स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग और नगर निगम से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है। अब तक ड्राइवर, वकील, बिचौलियों सहित दर्जनभर लोगों से पूछताछ की जा चुकी है कुछ मामलों में डॉक्टरों की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं हालांकि पुलिस ने अभी उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार तहसील कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों और बिचौलियों के बीच मिलीभगत से फर्जी पंचनामा, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज तैयार किए गए इसके बाद इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर मुआवजा स्वीकृत कराया गया अब तक सरकंडा, सिविल लाइन, कोनी, तोरवा और अन्य थानों में कुल 14 मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है जबकि अन्य से पूछताछ जारी है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ मामलों में परिजनों की सहमति के बिना ही मुआवजे की राशि निकाली गई और आपस में बंटवारा किया गया।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में युवक की मौत, एक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के इंदार थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया रन्नौद-माढा-सिंघारई मार्ग पर तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंघारई निवासी 34 वर्षीय हरपाल यादव अपने निजी कार्य से बाइक द्वारा माढा की ओर जा रहे थे इसी दौरान झंडी बहादुरा की दिशा से आ रहे कैलाश जाटव की बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए उप्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे उन्होंने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इंदार थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

परीक्षा देने जा रही छात्रा को वाहन ने मारी टक्कर हालत गंभीर, युवक की इलाज जारी

मीडिया ऑडीटर,सीहोर(निप्र)। सीहोर में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में परीक्षा देने जा रही एक छात्रा और बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मोगराराम जोड़ के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा को गंभीर चोटें आई हैं, जिसके चलते उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है।

शासकीय एक्सीलेंस स्कूल में परीक्षा देने जा रही थी छात्राः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्रा एक युवक के साथ बाइक पर सवार होकर सीहोर स्थित शासकीय एक्सीलेंस स्कूल में परीक्षा देने जा रही थी। दोनों अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक मोगराराम जोड़ के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वाहन चालक मौके से फरारः दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन सहित फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद चालक ने घायलों की कोई मदद नहीं की और घटनास्थल छोड़कर भाग निकला। पुलिस अब फरार वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है।

राहगीरों ने पहुंचाई मददः घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी।

● छात्रा की हालत गंभीर, भोपाल रेफर

जिला अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार छात्रा के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद भी उसकी स्थिति चिंताजनक बनी रही। छात्रा की हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया। फिलहाल उसका उपचार भोपाल के अस्पताल में जारी है।

● युवक का जिला अस्पताल में उपचार जारी

हादसे में घायल युवक को भी चोटें आई हैं। उसका उपचार सीहोर जिला अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टर उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हादसे के बाद पुलिस को घायल छात्रा की पहचान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रा के पास मिले मोबाइल फोन पर स्क्रीन लॉक लगा हुआ है, जिसके कारण उसके परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। पुलिस मोबाइल से कोई जानकारी निकालने और परिजनों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

● एडमिट कार्ड से मिले अहम सुराग

पुलिस को छात्रा के पास से एक एडमिट कार्ड मिला है। इसी के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि छात्रा नसरुल्लागंज क्षेत्र की निवासी हो सकती है। पुलिस एडमिट कार्ड में दर्ज जानकारी के आधार पर उसकी पहचान और परिजनों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

● युवक की भी नहीं हो सकी पूरी पहचान

बाइक चला रहे घायल युवक की भी अभी तक पूरी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस को उसके हाथ पर 'गणेश' नाम खुदा हुआ मिला है।

15 वर्षीय किशोरी बाइक सीखते समय पेड़ से टकराई, गंभीर चोटें आई, जिला अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के पिपौरा गांव के पास बाइक चलाना सीख रही 15 वर्षीय किशोरी हादसे का शिकार हो गई। बाइक का संतुलन बिगड़ने से वह एक पेड़ से टकराई और सड़क पर गिर गई। इस दुर्घटना में उसके सिर, चेहरे, हाथ, पैर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं। घायल किशोरी को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य बच्चे भी घायल हुए, हालांकि उनकी चोटें मामूली थीं, इसलिए स्थानीय स्तर पर इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, घायल किशोरी की पहचान निवारिया, थाना ईशानगर निवासी रागनी आदिवासी (15) के रूप में हुई है। उसकी मां नीमा आदिवासी ने बताया कि रागनी शनिवार सुबह करीब 8 बजे पिपौरा गांव के समीप बाइक चलाना सीख रही थी, तभी अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और वह गिर पड़ी।

बाइक चालक पर बाघ ने मारा झपट्टा, बाल बाल बचे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया और पचमढ़ी के बीच एक बाघ ने बाइक सवार पर झपट्टा मार दिया, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। कार से आ रहे चश्मदीद सुजीत पटवा ने यह नजारा देखा। उनके भाई सुशील पटवा ने घटना की जानकारी सोशल मीडिया और ग्रामीणों को दी। एसटीआर की क्षेत्र उप संचालक ऋषिभा नेताम ने बताया मामले की पुष्टि कर रहे।

21 जून को आवासीय खेल परिसर में आयोजित होगा जिला स्तरीय योग कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रातः 06 बजे जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में किया जाएगा। जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा शामिल होंगे। साथ ही जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालयों, पंचायत स्तर तथा शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों में भी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए जारी कार्यक्रम अनुसार प्रातःकाल 06 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का आगमन होगा। इसके बाद 06:15 से 06:30 तक अतिथियों का उद्बोधन होगा।

इटारसी मंडी में किसान पर चाकू से हमला

मूंग बेचने आया, गर्दन और कमर पर किया वार, 12 टांके आए, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले की इटारसी कृषि उपज मंडी में शुक्रवार रात मूंग बेचने आए एक किसान पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। यह वारदात रात करीब 11 बजे मंडी के टीनशेड में खड़ी एक बाइक के पास खड़े होने को लेकर हुए मामूली विवाद में हुई। इटारसी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रात में ही गिरफ्तार कर लिया है, वहीं घायल किसान का अस्पताल में इलाज जारी है। घायल किसान विनय गौर शाहगंज (बुधनी) का रहने वाला है। वह शुक्रवार को अपनी मूंग की फसल बेचने के लिए इटारसी मंडी पहुंचा था। नीलामी में उसकी मूंग नहीं बिक सकी, जिसके कारण वह रात में मंडी के टीनशेड के नीचे ही रुक गया था। रात करीब 11 बजे वह शेड के नीचे खड़ी एक बाइक के पास जाकर खड़ा हो गया।

गालियां देने से रोका तो कर दिया हमलाः किसान विनय गौर ने पुलिस को बताया कि थोड़ी दूरी पर दो-तीन युवक खड़े थे। उन्हीं में से एक युवक गौरव जायसवाल (निवासी इटारसी) उसके पास आया और बाइक से दूर हटने को कहते हुए अपशब्द बोलने लगा। जब विनय ने उसे गालियां देने से रोका, तो आरोपी गौरव ने गुस्से में आकर चाकू निकाल लिया और सीधे हमला कर दिया।

गर्दन में 8 और कमर में 4 टांके लगेः चाकू के इस हमले में किसान की गर्दन और कमर पर गहरी चोटें आईं। खून से लथपथ हालत में उसे तत्काल इटारसी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, हमले के कारण किसान की गर्दन में 8 और कमर में 4 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मामूली विवाद पर हुई घटना, आरोपी कोर्ट में होगा पेशः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। घायल किसान विनय की शिकायत पर इटारसी पुलिस ने आरोपी गौरव जायसवाल के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे रात में ही दबोच लिया। इटारसी थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया: 'घायल विनय गौर मूंग बेचने के लिए मंडी आए थे। रात में आरोपी गौरव जायसवाल अपने दोस्त के साथ मंडी में मौजूद था। इसी दौरान एक छोटी सी बात को लेकर हुए विवाद में उसने विनय गौर पर चाकू से हमला कर दिया।

आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित कर लाखों की सफलता की राह पर अग्रसर हुए उद्यमी निखिल जैन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार और उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाएं जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन्हीं योजनाओं का लाभ लेकर विदिशा जिले के गंजबासौदा निवासी उद्यमी श्री निखिल जैन ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित कर न केवल अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। श्री निखिल जैन पूर्व में अपने घर पर पारंपरिक तरीके से हाथों से चना, उड़द, चावल एवं मक्का के पापड़ तैयार करते थे। इस कार्य में अधिक समय और श्रम लगता था, साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता भी सीमित थी। बढ़ती मांग के बावजूद संसाधनों की कमी के कारण व्यवसाय का विस्तार करना संभव नहीं हो पा रहा था। उन्हें उद्यानिकी विभाग के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) की जानकारी प्राप्त हुई। योजना के तहत उद्योग स्थापना के लिए आवेदन करने पर उनका प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। वर्ष 2024-25 में बैंक ऑफ बड़ौदा, गंजबासौदा शाखा द्वारा उन्हें उद्योग स्थापना हेतु 8 लाख 49 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। प्राप्त वित्तीय सहायता से श्री जैन ने पापड़ निर्माण की आधुनिक एवं ऑटोमेटिक मशीन स्थापित की। मशीन लगने के बाद उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और अब उनके उद्योग में प्रतिदिन लगभग 100 से 150 किलोग्राम चना, उड़द, चावल एवं मक्का के पापड़ों का उत्पादन किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से उत्पादों की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, जिससे बाजार में उनकी मांग लगातार बढ़ रही है।

सागर में दो तेज रफ्तार बाइकों की भिड़ंत

सड़क किनारे बस का इंतजार कर रही महिला पर गिरी गाड़ी; तीन घायल हुए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-44 पर बिजौरा-छिंदली चौराहे के पास दो तेज रफ्तार बाइकों में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक छिटककर सड़क किनारे बस का इंतजार कर रही महिला के ऊपर जा गिरी। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों सहित कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को मैकेनिक नईम खान अपनी बाइक से महाराजपुर से देवरी की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बिजौरा निवासी दयाराम उर्फ भूरे अहिरवार अपनी बाइक से हाईवे क्रॉस कर रहे थे, तभी दोनों की गाड़ियों में जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और दोनों चालक (नईम खान और दयाराम) गंभीर रूप से घायल हो गए।

ससुराल जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी महिला

हादसे के वक्त सड़क किनारे एक महिला खड़ी होकर बस का इंतजार कर रही थी। बताया जा रहा है कि महिला अपनी ससुराल (गौरझामर) जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। टक्कर के बाद अनियंत्रित होकर एक बाइक सीधे उस महिला के ऊपर जा गिरी, जिससे वह भी इस दुर्घटना की चपेट में आकर घायल हो गई।

पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को पहुंचाया अस्पतालः हादसा होता देख आसपास के राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही देवरी थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और राहगीरों की मदद से तीनों घायलों को इलाज के लिए देवरी के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'प्राकृतिक खेती' विषय पर एक दिवसीय किसान संगोष्ठी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जनकल्याण अभियान एवं आत्मा योजना के अंतर्गत सीहोर के आरएके कॉलेज में 'प्राकृतिक खेती' विषय पर एक दिवसीय खरीफ कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से अवगत कराना, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के दुष्प्रभावों की जानकारी देना तथा पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही किसानों को खरीफ मौसम में सोयाबीन की उन्नत खेती के लिए रेज्ड बेड फर्रो (Raised Bed Furrow) तकनीक से बुवाई करने के लाभ बताए गए। किसानों को गोबर, गोमूत्र, गुड़ एवं बेसन की सहायता से जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं अन्य जैविक कीट नियंत्रकों को तैयार करने की विधि समझाई गई और जीवमृत के लाभ के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही योजनाओं एवं तकनीकी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष श्री मानसिंह, श्री जितेन्द्र सिंह गौर, डॉ. आई.एस. तोमर, कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक श्री जी.एस. गाठिये, डॉ. डी.के. पपाती, सहायक संचालक श्री अनिल कुमार जाट, सहायक तकनीकी प्रबंधक सुश्री पल्लवी जैन सहित किसान उपस्थित थे।

मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत चलाया जा रहा जागरूकता रथ

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत जिले में मलेरिया जन-जागरूकता रथ चलाया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ क्षमा वर्बे ने बताया कि वर्षा ऋतु के प्रारंभ होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इसे नियंत्रित करने के लिए जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लिए एक विशेष माइक्रो-प्लान रूट चार्ट तैयार किया गया है। जागरूकता रथ हर ब्लॉक के सुदूर गांवों तक पहुंचकर लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के प्रति सचेत कर रहा हैं। जागरूकता रथ पर लगे लाउडस्पीकरों, बैनर-पोस्टर और सूचनात्मक पंपलेट के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीणों को समझाइश दी जा रही है कि वे हर रविवार को 'ड्राई डे' के रूप में मनाएं, जिसमें कूलर, टंकियों और पुराने बर्तनों का पानी खाली कर सुखाया जाए। साथ ही, सोते समय अनिवार्य रूप से मच्छरदानी का उपयोग करने की सलाह दी।

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

● स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता एवं मरीज सुविधाओं का लिया जायजा, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार प्रातः लगभग साढ़े नौ बजे श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय, विदिशा का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी कक्ष सहित विभिन्न विभागों का सूक्ष्म निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता व्यवस्था तथा शौचालयों की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालय में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उपचार, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय परामर्श एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मरीजों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने चिकित्सालय में बनाए रखी गई स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

रात में खेत पर जुताई करने गए किसान की हत्या

रतलाम में सुबह खून से लथपथ मिला शव, शरीर पर चोटों के निशान

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के ताल थाना क्षेत्र स्थित कोठड़ी गांव में 35 वर्षीय एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह खेत में उसका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। किसान गुरुवार रात अपने खेत पर जुताई करने गया था। पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान ग्राम कोठड़ी निवासी 35 वर्षीय राजेंद्र सिंह दांगी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, राजेंद्र शुक्रवार रात को हमेशा की तरह अपने खेत पर जुताई करने के लिए गए थे। जब वे देर रात तक वापस नहीं लौटे, तो घरवालों ने सोचा कि वे काम के चलते खेत पर ही रुक गए होंगे। सुबह भी जब राजेंद्र घर नहीं पहुंचे, तो परिजन उन्हें तलाशते हुए खेत पर गए।

शरीर पर मिले चोट के निशान, इलाके में फैली सनसनीः खेत पर पहुंचने पर परिजनों को राजेंद्र का शव खून से सना हुआ मिला। मृतक के शरीर पर चोटों के कई स्पष्ट निशान मौजूद थे और शव के आसपास काफी खून फैला हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने की क्षेत्र की सर्चिंग, परिजनों से पूछताछ जारी

हत्या की सूचना मिलने पर ताल थाना प्रभारी स्वराज डाबी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र की सघन तलाशी ली। इसके साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से प्रारंभिक पूछताछ की गई। मौके के हालात देखते हुए पुलिस ने हत्या की आशंका जाहिर की है। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारण

पुलिस सभी संभावित पहलुओं और तथ्यों को ध्यान में रखकर अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है। ताल थाना प्रभारी स्वराज डाबी ने बताया, प्रथम दृष्ट्या यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

फीफा वर्ल्ड कप: ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराया, मैथ्यूस कुन्हा ने किए दो गोल

फिलाडेल्फिया ,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप सी के मुकाबले में ब्राजील ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हैती को 3-0 से हराया। फिलाडेल्फिया स्टेडियम में ब्राजील की जीत के नायक मैथ्यूस कुन्हा रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। इस जीत के साथ ही गोल अंतर के आधार पर ब्राजील ने ग्रुप सी में पहला स्थान हासिल कर लिया है। मोरक्को के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद टीम के प्रदर्शन पर कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे थे। हालांकि, ब्राजील ने हैती के खिलाफ दमदार प्रदर्शन से आलोचकों को करारा जवाब भी दिया है।

मैच की शुरुआत से ही ब्राजील ने खेल पर नियंत्रण बनाया। मैथ्यूस कुन्हा ने अपने पहले वर्ल्ड कप मैच की शुरुआत को बेहद खास बनाया। उन्होंने लगातार अच्छे मूव बनाए और टीम के आक्रमण को मजबूती दी। उनके साथ विनीसियस जूनियर और राफिन्हा का प्रदर्शन भी दमदार रहा। ब्राजील के लिए मैच का पहला गोल 23वें मिनट में आया, जब हैती के गोलकीपर जॉनी प्लासाइड विनीसियस जूनियर का शॉट तो रोकने में सफल रहे, लेकिन उसके बाद हेंस डेलक्रोइक्स का क्लीयरेंस शॉट कुन्हा से लगकर गोल पोस्ट में चला गया।

पहले हाफ के अंत से 9 मिनट पहले कुन्हा ने ब्राजील की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। विनीसियस जूनियर से मिले अच्छे पास का फायदा उठाते हुए कुन्हा ने बॉक्स के किनारे से जोरदार शॉट लगाते हुए गेंद को गोल पोस्ट के टॉप कॉर्नर में पहुंचा दिया। इसके बाद पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विनीसियस जूनियर ने ब्राजील के लिए मैच का तीसरा गोल दागा। इस गोल के साथ ब्राजील ने पहले हाफ का अंत 3-0 के साथ किया।

दूसरे हाफ में हैती ने वापसी करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन ब्राजील के मजबूत डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। रिकार्डो एडे ने कॉर्नर पर ऊंची छलांग लगाकर हेडर लगाया, लेकिन ब्राजील के गोलकीपर एलिसन ने शानदार बचाव किया। मैच के अंतिम समय में ब्राजील के युवा खिलाड़ी एंड्रिक ने गोल किया, लेकिन वह ऑफसाइड करार दिया गया। लगातार दूसरी हार के साथ ही हैती फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गई है।

फिट हार्दिक पांड्या भारत की विश्व कप योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

चेन्नई ,एजेसीं। : भारत के पूर्व बल्लेबाज WV रमन का मानना है कि हार्दिक पांड्या का फिट होना 2027 के वनडे विश्व कप के लिए भारत की योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों के रूप में योगदान देने की उनकी क्षमता टीम को इस बड़े टूर्नामेंट में बेहद जरूरी संतुलन प्रदान करेगी। रमन ने कहा, 'मेरा मानना है कि हार्दिक भारतीय टीम के लिए बहुमूल्य साबित हो सकते हैं। अगर वह फिट रहते हैं और पूरे 10 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं तो उससे टीम में जो संतुलन पैदा होगा वह बेहद महत्वपूर्ण होगा। लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।' उन्होंने कहा, 'हार्दिक को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए टीम ने चुना गया था लेकिन चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।' भारत को अगले वर्ष अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले लगभग 15 वनडे मैच खेलने हैं और रमन का मानना है कि टीम प्रबंधन को इनका उपयोग सही संयोजन तैयार करने के लिए करना चाहिए क्योंकि भारत का नॉकआउट चरण में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, 'आठ बार नॉकआउट चरण तक पहुंचने और केवल दो बार सफल होने से पता चलता है कि टीम प्रबंधन को विभिन्न विकल्पों पर विचार करने और अभी सही संयोजन तैयार करने के लिए प्रयोग करने की जरूरत है।' रमन ने कहा, 'टूर्नामेंट से पहले के 12 से 15 महीने बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्हें सभी द्विपक्षीय श्रृंखला का उपयोग विभिन्न संयोजनों को आजमाने के लिए करना चाहिए। इससे खिलाड़ियों को खुद को पहचानने में मदद मिलेगी और प्रबंधन को विश्व कप के लिए अपनी ताकत और संभावित विकल्पों का आकलन करने का अवसर मिलेगा।' भारत वनडे विश्व कप में दो बार 1983 और 2011 में चैंपियन रहा था। वह 2003 और 2023 में फाइनल में हार गया था। इसके अलावा वह 1987, 1996, 2015 और 2019 में सेमीफाइनल से बाहर हो गया था। वनडे टीम में रोहित शर्मा के भविष्य के सवाल पर रमन ने कहा कि यह फैसला चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन पर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'रोहित एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने उस प्रारूप में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह खेल के महान खिलाड़ियों में से एक हैं। क्या वह अभी भी उतने ही अच्छे हैं जितने पहले थे, यह टीम प्रबंधन को तय करना है।'

इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के चयन से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट होगा

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 14 से 19 जुलाई तक 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इस सीरीज के भारतीय टीम का चयन करना है। इंग्लैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली के खेलने की संभावना है, लेकिन उन्हें टीम चयन से पहले फिटनेस टेस्ट देना होगा। कोहली की फिटनेस जांच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की पारी खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को जीत दिलायी थी। इसी मैच के दौरान विराट को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। इंजरी के कारण विराट को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रहना पड़ा। विराट फिलहाल लंदन में रिहैब कर रहे हैं। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक, कोहली बहुत जल्द अपनी फिटनेस जांच के लिए बीसीसीआई सीओई में रिपोर्ट करेंगे। फिटनेस टेस्ट पास होने के बाद विराट को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका दिया जा सकता है।अफगानिस्तान सीरीज से बाहर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के बारे में खबर यह है कि उन्होंने बीसीसीआई सीओई में फिर से ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

टी20 महिला विश्व कप में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी चुनौती

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद अच्छी रही है और उसने अपने शुरुआती दोनो ही मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने पहले मैच में पाकिस्तान और दूसरे में नीदरलैंड्स को आसानी से हराया है। इन दोनों ही मुकाबलों में मिली जीत से भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार बन गयी है हालांकि उसकी राह इतनी भी आसान नहीं है। भारतीय टीम को अब दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से खेलना है। इसके अलाव उसे बांग्लादेश से भी खेलना है। ऐसे में उसे इन मैचों में पूरी तैयारी और दृढ़ता के साथ मैदान पर उतरना होगा।

पहले दोनो ही मैच जीतकर भारतीय टीम अभी अंक तालिका में नंबर एक पर है। भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने शुरुआती दो मैच जीते हैं और उसके भी 4 अंक हैं, हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते भारतीय टीम शीर्ष पर है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ एक मैच जीतकर और ऑस्ट्रेलिया से हारकर अपनी स्थिति बनाए रखी है। ग्रुप-ए से सेमीफाइनल के लिए ये तीनों टीमें - भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका - ही सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं।

एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप: भारतीय टीम ने चिली को हराकर फाइनल में जगह नाई

ऑकलैंड ,एजेसीं। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 के सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। यह भारतीय टीम की लगातार चौथी जीत थी। भारत के लिए नवनीत कौर (6', 13'), दीपिका (14', 18'), नेहा (32') और रुतुजा दादासो पिसल (39') ने गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारतीय टीम ने मैच का आगाज शानदार तरीके से किया। शुरुआती समय में गेंद पर कब्जा बनाए रखा। टीम को छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और गोल करते हुए भारतीय टीम के लिए पहला गोल किया। भारतीय टीम ने 13वें मिनट में दूसरा गोल मारा। सलीमा के लेफ्ट फ्लैंक से एक शानदार रन और क्रॉस पर नवनीत ने अपना दूसरा गोल किया।

ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए भारत का तीसरा गोल मारा। दीपिका ने ही 18वें मिनट में अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल मारा। दीपिका का यह छठा गोल था और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

4-0 की बढ़त के बाद भारतीय टीम जीत की स्थिति में पहुंच चुकी थी, लेकिन टीम यहीं नहीं रुकी। दूसरे हाफ में भी टीम इंडिया चिली के खिलाफ आक्रामक रही। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। इसके बाद रुतुजा दादासो पिसल ने 39वें मिनट में ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर टीम का छठा गोल दागा। छठे गोल ने भारत की जीत तय कर दी। भारत ने 6-0 के साथ फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में भारत का सामना अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

मैट रेनशॉ का नाबाद अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया को 2-0 की अपराजेय बढ़त

चटगांव ,एजेसीं। मैट रेनशॉ (नाबाद 89) और टिम डेविड (45) की शानदार पारियों के मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को सात रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 196 रनों का मजबूत स्कोर बनाने के बाद बंगलादेश की कड़ी चुनौती को छह विकेट पर 189 रन पर थाम लिया। मैट रेनशॉ को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 44 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। जॉश इंग्लिस (11), कूपर कॉनली (एक) और कप्तान मिचेल मार्श (20) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय मैट रेनशॉ और टिम डेविड की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 97 रनों की साझेदारी हुई। 15वें ओवर में अब्दुल गफर सकलैन ने टिम डेविड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। टिम डेविड ने 25 गेंदों में दो चौके और चार छक्के लगाते हुए (45) रन बनाए। निखिल चौधरी (आठ) रन पगबाधा आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 196 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मैट रेनशॉ ने 52 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 89) रनों की पारी खेली। जोएल डेविस ने आठ गेंदों में नाबाद 13 रन बनाए। बांग्लादेश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की, ओपनर्स ने सिर्फ़ 19 गेंदों में तेजी से 48 रन बनाए, जिससे मैच रोमांचक हो गया। तन्जदि (30) के मैट रेनशॉ के रिटर्न कैच पर आउट होने के बाद भी, सौम्या बाउंड्री लगाते रहे, और परवेज हुसैन इमॉन (36)और सैफ (42) के बीच 53 रन की मजबूत पार्टनरशिप ने बंगलादेश को 10 ओवर तक मजबूती से कंट्रोल में रखा। हालांकि, जब ऐसा लग रहा था कि मैच ऑस्ट्रेलिया के हाथ से निकल रहा है, तो उन्होंने लगातार दो ओवरों में जरूरी विकेट लेकर सेट बैट्समैन को आउट करके वापसी की।

श्रीसंत ने गौतम गंभीर से लड़ाई पर की बात, बोले- उन्होंने मुझे देशद्रोही कहा, गाली भी दी

नई दिल्ली,एजेसीं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस

श्रीसंत ने दिसंबर 2023 में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (LLC) मैच के दौरान भारत के मौजूदा हेड कोच और पूर्व साथी खिलाड़ी गौतम गंभीर के साथ हुई अपनी बहस के बारे में और जानकारी दी है। इससे पहले, श्रीसंत ने बताया था कि गंभीर ने उन्हें 'फिक्सर' कहा था। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रीसंत ने इस झगड़े के बारे में और बातें बताईं और दावा किया कि गंभीर ने उन्हें 'देशद्रोही' भी कहा था। उन्होंने कहा कि यह घटना तब हुई जब उन्होंने गंभीर को बाउंसर फेंकी थी।

श्रीसंत ने लल्लनटॉप पर एक इंटरव्यू में अपना अनुभव बताते हुए कहा, 'गौती (गंभीर) पहली ही गेंद पर आगे बढ़े और उसे फ्लिक किया क्योंकि वह मेरा (खेल) जानते हैं, वह बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं। मुझे कोचिंग के बारे में तो नहीं पता, लेकिन वह बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं। इसलिए मैंने बाउंसर फेंकी। और पता है उन्होंने क्या कहा? मैं तुम्हें खरीद सकता हूं। यह साफ था, उन्होंने मुझे गाली दी। जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था, उन्होंने मुझे 'फिक्सर' कहा।' श्रीसंत ने कहा, 'मैं आगे झुका और उनसे पूछा, 'गौती भाई, क्या आप ठीक हैं?' क्योंकि मैं काफी बड़ा (हट्टा-कट्टा) था, तो ऐसा लग रहा था कि मैं उन्हें मार दूंगा। फिर वह ÖF-F' (स्न-वर्ड का इस्तेमाल) कर रहे थे। फिर उन्होंने दोबारा 'फिक्सर', 'देशद्रोही' कहा।' गंभीर और श्रीसंत भारत की 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 ODI वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। हालांकि उनके खेलने के दिन खत्म होने के बाद उनके रिश्ते खराब हो गए हैं। गंभीर की ये बातें शायद उस बैन पर आधारित थीं जो श्रीसंत को IPL 2013 के दौरान स्पॉट-फिक्सिंग के आरोप के बाद मिला था।

पुर्तगाल के डिफेंडर डायस ने किया रोनाल्डो का बचाव

सिर्फ एक खिलाड़ी की आलोचना नहीं होनी चाहिए

न्यूयॉर्क ,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की काफी आलोचना हुई। रोनाल्डो टीम के पहले मुकाबले में पूरी तरह से बेअसर दिखाई दिए। हालांकि, पुर्तगाल के डिफेंडर रूबेन डायस ने रोनाल्डो का बचाव किया है। रूबेन ने रोनाल्डो पर भरोसा जताते हुए कहा कि आलोचना सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं की जानी चाहिए। डीआर कांगो के खिलाफ रोनाल्डो के पास 25 बार गेंद आई, लेकिन वह टारगेट पर शॉट लगाने, टीम के साथी को असिस्ट करने या ड्रिबल की कोशिश में विरोधी को हराने में नाकाम रहे। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, पुर्तगाल को आक्रमण में अधिक तेज और फुर्तीला खिलाड़ी उतारने से फायदा मिल सकता था। हालांकि, डायस ने कहा कि टीम अभी भी 41 वर्षीय स्टार खिलाड़ी पर पूरा भरोसा करती है, जो अपने करियर का छठा वर्ल्ड कप फाइनल खेल रहे हैं। डियास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए बताया, 'क्रिस्टियानो रोनाल्डो, बेशक, मीडिया के उस प्रेशर से निपटने के आदी हैं जिसका हम आमतौर पर क्लब, राष्ट्रीय टीम, विश्व टूर्नामेंट और यूरोपीय प्रतियोगिता में सामना करते हैं। इस तरह की प्रतियोगिता में यह कभी भी परफेक्ट नहीं होगा।'

डिफेंडर ने कहा कि आलोचना केवल एक खिलाड़ी की नहीं होती। क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन पूरी टीम इसकी जिम्मेदार होती है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है, क्योंकि टीम के साथ ऐसा पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, 'आलोचना हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। यह खेल का हिस्सा है और बाहर का शोर भर है। जब किसी टीम का मैच अच्छा नहीं जाता, तो ऐसी बातें हमेशा होती हैं। हम खुद को फालतू की आलोचना से दूर रख रहे हैं।' पुर्तगाल फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने अगले मुकाबले में 23 जून को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा।

श्रेयस सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करते हैं जो उन्हें एक अच्छा नेतृत्वकर्ता बनाता है: वैशाख

चेन्नई ,एजेसीं। श्रेयस अय्यर अगले महीने इंग्लैंड में पहली बार भारतीय टीम की कमान संभालेंगे और पंजाब किंग्स में उनके साथी खिलाड़ी वैशाख विजयकुमार का कहना है कि मुंबई के इस क्रिकेटर की लोगों के प्रबंधन की बेहतरीन क्षमता उनके काम आएगी।

इस महीने की शुरुआत में अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने सूर्यकुमार यादव की जगह अय्यर को टी20 टीम की कमान सौंपने का फैसला किया था। वैशाख ने कहा, 'मुझे लगता है कि जिस तरह से वह सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करते हैं वह सबसे बड़ी बात है क्योंकि जाहिर है कि युवा खिलाड़ी काफी दबाव में होंगे। इसलिए आप उन्हें कैसे संभालते हैं और उनसे कैसे बात करते हैं इससे बहुत फर्क पड़ता है।' उन्होंने कहा, IPL एक मुश्किल प्रतियोगिता है और आप जानते हैं कि भारतीय खिलाड़ी ही आपके लिए टूर्नामेंट जीतेंगे। इसलिए जिस तरह से उन्होंने सभी भारतीय खिलाड़ियों और घरेलू खिलाड़ियों को संभाला वह सुकून देने वाला था और इससे मुझे और सभी को बहुत कुछ सीखने को मिला।

सतना में नीट-यूजी परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण 2912 परीक्षार्थी होंगे शामिल, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा 21 जून को जिले के सात परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी परीक्षा को शांतिपूर्ण पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं इस परीक्षा में कुल 2,912 परीक्षार्थी शामिल होंगे परीक्षा के लिए शहर में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल व्यंकट क्रमांक-1, शासकीय कन्या महाविद्यालय पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, पीएम एक्सीलेंस शासकीय ऑटोनॉमस पीजी कॉलेज, पीएम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल तथा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल व्यंकट-2 को केंद्र बनाया गया है प्रशासन के अनुसार सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी। प्रश्नपत्रों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोपहर 1:30 बजे तक केंद्रों पर पहुंचाया जाएगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित तरीके से नोडल केंद्र तक पहुंचाने के लिए जीपीएस-युक्त वाहनों का उपयोग किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि पारदर्शिता बनी रहे राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (हृञ्ज) के निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होगी प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को लेकर इस बार विशेष इंतजाम किए गए हैं। पेपर को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से पहले रीवा एयरपोर्ट तक पहुंचाया गया, जिसके बाद कड़ी सुरक्षा में उसे सतना लाया गया। प्रश्नपत्रों को दो सुरक्षित स्थानों पर लॉकर में रखा गया है सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो-दो सीआईएसएफ जवानों सहित कुल 14 जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार निगरानी में रहेंगे परीक्षा केंद्रों तक प्रश्नपत्रों को जीपीएस ट्रैकिंग वाले वाहनों से पहुंचाया जाएगा इधर, रेलवे प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है सतना रेलवे स्टेशन पर परीक्षार्थियों का स्वागत शरबत वितरण के माध्यम से किया जाएगा। आरपीएफ और जीआरपी द्वारा स्टेशन परिसर में टेंट लगाकर भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल एवं शरबत की व्यवस्था की जा रही है प्रशासन ने अपील की है कि सभी परीक्षार्थी समय से परीक्षा केंद्र पहुंचें और नियमों का पालन करें, ताकि परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराई जा सके।

विधानसभा अध्यक्ष एक दिवसीय प्रवास पर सतना आएंगे, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर 21 जून को एक दिवसीय प्रवास पर सतना आएंगे उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं तथा सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल व्यवस्था सुनिश्चित की गई है निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष तोमर 21 जून की प्रातः 2:30 बजे महाकौशल एक्सप्रेस से सतना रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां से वे सर्किट हाउस सतना में विश्राम करेंगे तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट जनों से सौजन्य भेंट करेंगे इसके पश्चात विधानसभा अध्यक्ष प्रातः 11 बजे सतना से धारकुंडी आश्रम के लिए प्रस्थान करेंगे जहां वे धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे इस दौरान क्षेत्रीय विकास एवं जनसंपर्क से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की संभावना है दोपहर पश्चात वे पुनः सतना लौटेंगे और अपरान्ह 4 बजे टाउन हॉल सतना में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम रॉयल राजपूत संगठन द्वारा महाराणा प्रताप जयंती समारोह एवं भव्य शौर्य यात्रा के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है कार्यक्रम के माध्यम से महाराणा प्रताप के जीवन शौर्य एवं राष्ट्रभक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का उद्देश्य रखा गया है कार्यक्रम के उपरांत विधानसभा अध्यक्ष रात्रि 8:45 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे उनके प्रवास को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था यातायात प्रबंधन एवं प्रोटोकॉल संबंधी सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं ताकि सभी आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सकें।

मझगवां ब्लॉक स्थित KVK में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषि विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां ब्लॉक स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को रासायनिक खेती के विकल्पों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के विस्तार, किसानों के प्रशिक्षण जैविक संसाधनों के उपयोग तथा कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई इस बैठक में चित्रकूट विकास प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव, DRI सचिव अभय महाजन चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिला अध्यक्ष भगवती पांडेय, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्णा पांडेय, जिला उपाध्यक्ष राव प्रबल सहित कृषि उपसंचालक आशीष पाण्डेय एवं कृषि विभाग के अनेक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है बल्कि किसानों की लागत में भी कमी आती है और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादन संभव होता है। साथ ही जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी यह पहल अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकती है विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को जागरूक कर प्राकृतिक खेती को बड़े स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है जिससे उन्हें दीर्घकालिक लाभ मिल सके वहीं विकास प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के किसान तक पहुंचाना प्राथमिकता है किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि गांव-गांव में प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया जाए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से प्रदर्शन प्लॉट विकसित किए जाएंगे ताकि किसान प्रत्यक्ष रूप से इसके लाभ देख सकें अंत में कृषि उपसंचालक आशीष पाण्डेय ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया तथा बैठक में लिए गए निर्णयों को शीघ्र क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

पिता की सीख से शुरू हुई रक्तदान सेवा यात्रा, 35 वर्षों से मानवता की मिसाल कायम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसी भी व्यक्ति के जीवन में माता-पिता के संस्कार और दी गई सीख उसके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक सीख ने रक्तदान सेवा के क्षेत्र में एक ऐसी अनवरत यात्रा को जन्म दिया, जो पिछले 35 वर्षों से निरंतर मानवता की सेवा में समर्पित है पिता द्वारा बचपन में दिया गया संदेशमानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है जीवन का मार्गदर्शन बना और इसी प्रेरणा को आधार बनाकर रक्तदान एवं रक्तदान जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। समय के साथ यह प्रयास एक जनआंदोलन का रूप लेता गया और समाज के विभिन्न वर्गों को इससे जोड़ा गया इस सेवा यात्रा के दौरान अब तक लगभग 7200 यूनिट रक्तदान कराए जा चुके हैं जिससे हजारों जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन प्राप्त हुआ है यह अभियान केवल रक्तदान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि प्लेटलेट्स दान के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया गया है अब तक लगभग 28 लाख प्लेटलेट्स डोनेट कर डेंगू, कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की सहायता की गई है रक्तदान सेवा से जुड़े लोगों का कहना है कि समय पर उपलब्ध रक्त और प्लेटलेट्स कई बार मरीजों के लिए संजीवनी साबित होते हैं इस अभियान ने न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई है बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई है वर्षों से जारी इस प्रयास ने हजारों युवाओं मातृशक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों को नियमित रक्तदाता बनने के लिए प्रेरित किया है 60 वर्ष से अधिक आयु के कई लोग भी इस सेवा में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं सेवा यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल आंकड़े नहीं हैं बल्कि वे परिवारों की मुस्कान और राहत है जिन्हें समय पर रक्त और प्लेटलेट्स उपलब्ध होने से अपने प्रियजनों को नया जीवन मिला आज भी यह संकल्प कायम है कि जब तक जीवन है तब तक मानवता की सेवा और रक्तदान का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। वास्तव में पिता की एक छोटी-सी सीख ने सेवा, समर्पण और मानवता की एक अद्वितीय मिसाल स्थापित की है।

शराब के लिए रुपए न देने पर चाकू मारा, दुकान से घर लौटते व्यक्ति के साथ मारपीट सिर में चोट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से हमला कर 5 हजार रुपये लूट लिए गए यह घटना शनिवार दोपहर सिंधी कैंप की बस्ती में हुई गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार सिंधी कैंप मीरानी मोहल्ला निवासी 28 वर्षीय इरफान खान, फरीद खान के बेटे शनिवार दोपहर रीवा रोड स्थित ट्रैक्टर-ट्रॉली की दुकान से अपने घर लौट रहे थे दोपहर करीब 2 बजे बसोर बस्ती के पास ददन कोल, रवि कोल और उनके साथियों ने उन्हें रोक लिया आरोपियों ने इरफान से शराब पीने के लिए पैसे मांगे।

2003 से एक ही पद पर बाबू की तैनाती, जिला खनिज कार्यालय में ट्रांसफर नीति पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश सरकार की स्थानांतरण नीति को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं जिला खनिज अधिकारी कार्यालय में पदस्थ एक बाबू के वर्ष 2003 से लगातार एक ही स्थान पर कार्यरत रहने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर चर्चा तेज हो गई है जानकारी के अनुसार कार्यालय में पदस्थ बाबू हरिओम पांडे वर्ष 2003 से अब तक लगातार जिला खनिज कार्यालय में ही कार्यरत हैं इस दौरान जिले में एक दर्जन से अधिक जिला खनिज अधिकारी (DMO) पदस्थ होकर स्थानांतरित हो चुके हैं लेकिन बाबू का स्थान आज तक नहीं बदला गया सूत्रों के अनुसार इन 23 वर्षों में कार्यालय के कई अन्य कर्मचारी समय-समय पर स्थानांतरित हुए लेकिन हरिओम पांडे के तबादले को लेकर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। जबकि शासन की स्थानांतरण नीति में सामान्यतः तीन वर्ष के कार्यकाल के बाद स्थानांतरण का प्रावधान है स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किन परिस्थितियों में तबादला नीति लागू नहीं हो पाई कुछ लोग इसे प्रशासनिक लापरवाही बता रहे हैं जबकि कुछ इसे विभागीय संरक्षण या प्रभाव का परिणाम मान रहे हैं चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है कि इतने लंबे समय तक एक ही संवेदनशील कार्यालय में पदस्थापना कैसे संभव हुई जबकि खनिज विभाग को राजस्व एवं खनन से जुड़ा महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विभाग माना जाता है हालांकि इस पूरे मामले पर जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है इस कारण स्थिति और अधिक सवालों के घेरे में है।

नीट परीक्षा को लेकर रेलवे का विशेष प्रबंध, रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच, इंटरसिटी के समय में बदलाव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नीट (NEET) प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं 21 जून को आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ और परीक्षार्थियों की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु कई ट्रेनों में अस्थायी बदलाव किए गए हैं रेलवे द्वारा रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त जनरल कोच लगाए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे परीक्षार्थियों और अन्य यात्रियों को यात्रा में अधिक सुविधा मिल सके यह अतिरिक्त कोच बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस (18247) में 19 से 21 जून तक बिलासपुर स्टेशन से लगाए जाएंगे वहीं वापसी दिशा में रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस (18248) में 20 से 22 जून तक ये अतिरिक्त कोच उपलब्ध रहेंगे रेलवे सीपीआरओ हर्षित श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षार्थियों की सुविधा को देखते हुए ट्रेनों के संचालन में आवश्यक संशोधन किए गए हैं ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित की जा सके इसी क्रम में जबलपुर-रीवा इंटरसिटी एक्सप्रेस (22189) के समय में भी बदलाव किया गया है। यह ट्रेन 21 जून को अपने निर्धारित समय से 1 घंटा 25 मिनट की देरी से जबलपुर स्टेशन से प्रस्थान करेगी संशोधित समयानुसार अब यह ट्रेन शाम 6 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी इसके अलावा भुसावल-कटनी एक्सप्रेस के मार्ग में भी अस्थायी परिवर्तन किया गया है 20 जून को भुसावल से चलने वाली ट्रेन (19013) अब कटनी के बजाय सीधे सतना स्टेशन तक जाएगी जिससे परीक्षार्थियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी वापसी यात्रा के दौरान 21 जून को कटनी-भुसावल एक्सप्रेस (19014) भी कटनी की बजाय सतना स्टेशन से शाम 7 बजे प्रस्थान करेगी यह ट्रेन रात 12:30 बजे कटनी पहुंचेगी और उसके बाद अपने निर्धारित मार्ग से भुसावल के लिए आगे बढ़ेगी रेलवे प्रशासन ने सभी यात्रियों एवं परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे संशोधित समय-सारिणी के अनुसार ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके अधिकारियों ने बताया कि यह कदम छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है जिससे परीक्षा के दौरान उन्हें सुगम और निर्बाध यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

28 से 30 जून तक विशेष पल्स पोलियो अभियान, 1.30 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दो बूंद जिंदगी की

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए मैहर जिले में 28 जून से 30 जून तक विशेष पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा इस तीन दिवसीय अभियान के तहत जिले के 1 लाख 30 हजार 920 बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है अभियान की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में अपर कलेक्टर संजना जैन, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जिले भर में कुल 977 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थानों पर 13 ट्रांजिट बूथ भी बनाए जाएंगे ताकि यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके अभियान के पहले दिन 28 जून को सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी वहीं जिन बच्चों की दवा किसी कारणवश छूट जाएगी उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीमें 29 और 30 जून को घर-घर जाकर दवा पिलाकर कवर करेंगी कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सतना व मैहर में जिला स्तरीय कार्यक्रम, राज्यमंत्री एवं सांसद होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून रविवार को प्रदेशभर की शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर सतना एवं मैहर जिलों में व्यापक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं तथा प्रशासन द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं सतना जिले का जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-01, सतना में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य शासन द्वारा नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को मुख्य अतिथि के रूप में नामांकित किया गया है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेंगे जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सुचारु संचालन हेतु तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी सतना गिरीश अग्निहोत्री को नोडल अधिकारी तथा जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) विष्णु त्रिपाठी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की निगरानी एवं समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसी प्रकार मैहर जिले का जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मैहर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य शासन द्वारा सतना सांसद गणेश सिंह को मुख्य अतिथि नामांकित किया गया है कार्यक्रम को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं मैहर जिले में कार्यक्रम के लिए संदीपनी विद्यालय मैहर के प्राचार्य दिनेश पुरी गोस्वामी को नोडल अधिकारी एवं शासकीय बालक हाई स्कूल मैहर के प्राचार्य दिनेश मिश्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है अधिकारियों ने बताया कि दोनों जिलों में योग दिवस के कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 7:45 बजे तक आयोजित किए जाएंगे इस दौरान सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम तथा योग के महत्व पर जागरूकता संदेश दिए जाएंगे, जिससे लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके प्रशासन ने आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की है साथ ही यह भी कहा गया है कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ किया जा सकता है योग दिवस के इस आयोजन से जिले में स्वास्थ्य, अनुशासन और जागरूकता का संदेश प्रसारित होगा तथा स्वस्थ समाज'की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के निर्देशआमजनों के लिए भी चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के आह्वान के चलते राज्य शासन ने शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के साथ ही आमजन के बीच जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिये विभाग प्रमुख और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अनावश्यक यात्रा और व्यय में कमी लाने के लिए विभागीय बैठकों, कार्य-शालाओं प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमीनारों का आयोजन यथा संभव वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग अथवा हाईब्रिड माध्यम से किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। भारसाधक सचिव अपने अधीनस्थों की प्रदेश के बाहर की यात्राएं अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही स्वीकृत करेंगे। भार साधक सचिव की प्रदेश के बाहर शासकीय कार्य के लिए यात्राएं पूर्व अनुसार मुख्य सचिव के अनुमोदन उपरांत स्वीकृत की जाएंगी। सभी विभाग भारत सरकार से संबंधित प्रकरणों के अनुसरण के लिए आवासीय आयुक्त नई दिल्ली-मुंबई की सहायता ले सकेंगे कृषि, उद्यानिकी तथा संबद्ध विभाग को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह पाइप्ड नेचुरल गैस की लाइन के विस्तार के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना तथा एलपीजी उपभोक्ताओं के डुप्लीकेट और अपात्र कनेक्शनों की पहचान और उसके निराकरण के लिए अभियान चलाने को कहा गया है। निर्माण विभागों को पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री के उपयोग करने और आमजन के बीच ऐसी सामग्री के प्रचार-प्रसार के उपयोग के लिए निर्देश दिए गए हैं सामान्य प्रशासन विभाग ने विद्युत के उचित उपयोग के साथ ही पीएम सूर्यघर योजना में निःशुल्क बिजली योजना में रूफटॉप सोलर स्थापित करने के लिए सभी विभागों से प्रचार करने के लिए कहा है जनसंपर्क विभाग को मेरा भारत-मेरा योगदान जैसा अभियान चलाकर नागरिकों को ऊर्जा सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया है इसी तरह पर्यटन विभाग को मध्यप्रदेश से संबंधित प्रवासी भारतीयों को देखो अपना देश तथा छुट्टियां भारत में बिताने के लिए फ्रेंड्स आफ एम.पी एवं अन्य एसोसिएशन के माध्यम से प्रेरित करने की अपेक्षा की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।